राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 07 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–225 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चंदा और दीपक कोचर को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

-विडियोकॉन लोन फ्रॉड का मामला, इनकी गिरफ्तारी को बॉम्बे हाईकोर्ट ने अवैध बताया था

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को नोटिस जारी कर उनकी गिरफ्तारी को अवैध बताने वाले बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर जवाब मांगा है। दरअसल, बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस साल 6 फरवरी लोन फ्रॉड मामले में चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर की गिरफ्तारी को अवैध बताया था। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई ने चंदा और दीपक कोचर की गिरफ्तारी बिना दिमाग लगाए और कानून का उचित सम्मान किए बिना की है। जस्टिस संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने दोनों को नोटिस जारी किया और सीबीआई की ओर से दायर अपील पर उनसे जवाब मांगा। चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को सीबीआई ने 23 दिसंबर, 2022 को वीडियोकॉन-आईसीआईसीआई बैंक लोन मामले में गिरफ्तार किया था।

14 लाख की इनामी महिला हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

-बालाघाट में हाकफोर्स स्पेशल आपरेशन ग्रुप की सर्चिंग के दौरान टीम को बड़ी मिली सफलता

बालाघाट। बैहर थाना के कान्हा नेशनल पार्क के पास परसटोला चिचरंगपुर के जंगल क्षेत्र में हाकफोर्स स्पेशल आपरेशन ग्रुप की सर्चिंग के दौरान टीम ने 14 लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली साजंती पति गणेश (32) को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। साजंती केबी डिवीजन की हार्डकोर नक्सली है, जिस पर मप्र में कुल छह गंभीर अपराध दर्ज हैं। उसके पास से पिस्टलमय मैगजीन, एक कुल्हाड़ी और अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस जानकारी के अनुसार सर्चिंग के दौरान जब पुलिस पार्टी महिला नक्सली साजंती को लेकर वापस आ रही थी। इस दौरान क्षेत्र में केबी डिवीजन के अन्य नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी पर अपने साथी सदस्यों को छुड़ाने के उद्देश्य से लगभग 30 से 40 फायर किए गए।

साजंती गढ़चिरौली के नैनगुड़ा की रहने वाली

पुलिस पार्टी ने आत्मरक्षा में 10 से 15 फायर किए। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई से अन्य नक्सली अंधेरे का फायदा उठाकर घने जंगल की तरह भाग गए। साजंती कान्हा भोरमदेव डिवीजन के खटिया मोर्चा एरिया कमेटी सदस्य है, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले अंतर्गत ग्राम नैनगुड़ा की रहने वाली है। साजंती वर्ष 2011 में नक्सली संगठन में भर्ती हुई थी और 2016 में एमएमसी जोन में केबी डिवीजन अंतर्गत खटिया मोर्चा दलम की सक्रिय सदस्य के रूप में कार्य कर रही थी।

बिक गई पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मुशर्रफ की जमीन

बागपत । उत्तर प्रदेश कि बागपत जिले के कोताना में स्थित शत्रु संपत्ति के अंतर्गत आने वाली दो हेक्टेयर जमीन को 1.38 करोड़ रुपये में नीलाम कर दिया गया। जिन जमीनों की नीलामी की गयी है वह पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से जुड़ी बताई गयी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह संपत्ति बागपत की बड़ौत तहसील के कोटाना गांव में स्थित है, और इसे 2010 में शत्रु संपत्ति घोषित किया गया था। शत्रु संपत्ति का वर्गीकरण भारत में पाकिस्तानी नागरिकों के स्वामित्व वाली संपत्तियों से संबंधित है, जिसका प्रबंधन केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले विभाग शत्रु संपत्ति संरक्षक द्वारा किया जाता है। पाकिस्तान में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सरकार का तख्तापलट करने के बाद 1999 में देश की सत्ता हथियाने वाले पाकिस्तान के पूर्व सैन्य प्रमुख मुशर्रफ का 2023 में निधन हो गया। उनका जन्म विभाजन से पहले दिल्ली में हुआ था। मुशर्रफ के दादा कोटाना में रहते थे। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के पिता सैयद मुशर्रफुद्दीन और मां जरीन बेगम कभी इस गांव में नहीं रहे, लेकिन उनके चाचा हुमायूं लंबे समय तक यहां रहे। विवरण के मुताबिक गांव में एक घर भी है, जहां हुमायूं आजादी से पहले रहते थे। 2010 में इस जमीन को शत्रु संपत्ति घोषित कर दिया गया था और बृहस्पतिवार रात 10.30 बजे इसकी नीलामी पूरी हो गई। बागपत जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार नीलामी की गई जमीन की शुरुआती कीमत 39.06 लाख रुपये थी, जिसकी कीमत 1.38 करोड़ रुपये से अधिक थी और बिक्री से प्राप्त राशि गृह मंत्रालय के खाते में जमा की जाएगी। नीलाम की गयी यह जमीन राजस्व रिकॉर्ड में 'नुरू' नाम से दर्ज है। इस नुरू और परवेज मुशर्रफ के बीच कोई दस्तावेजी संबंध नहीं है। रिकॉर्ड में केवल इतना दिखाया गया है कि नुरू एक निवासी था, जो 1965 में पाकिस्तान चला गया था।

जम्मू-कश्मीर चुनाव, बीजेपी का घोषणा पत्र जारी

5 लाख रोजगार, हर साल 2 फ्री सिलेंडर देने का वादा

श्रीनगर।

भाजपा ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कॉलेज छात्रों को हर साल 3 हजार रुपए यातायात भत्ता दिया जाएगा। 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा। उन्होंने कहा कि 5 लाख रोजगार दिए जाएंगे। उज्जवला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। अटल आवास योजना के जरिए भूमिहीन लोगों को 5 मरला (एक बीघा) जमीन मुफ्त दी जाएगी।

शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का है, था और रहेगा। 10 साल में राज्य का विकास हुआ है और रहा है। आज धारा 370 और 35 (ए) बीते दौरे की बात बन गई है। अब ये हमारे संविधान का हिस्सा नहीं है। ये सब पीएम नरेंद्र मोदी के ताकतवर फैसले से हुआ। धारा 370 इतिहास बन गई है। हम इसे कभी आने नहीं देंगे।

महिलाओं के लिए

उज्जवला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर। मां सम्मान योजना के जरिए हर एक परिवार की सबसे सीनियर महिला को 18 हजार रुपए महीने की आर्थिक सहायता। महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप का लोन माफ की घोषणा।

स्टूडेंट्स के लिए, युवाओं के लिए

पंडित प्रेम नाथ डोगरा रोजगार योजना के जरिए 5 लाख रोजगार के अवसर पैदा करना। प्रगति शिक्षा योजना के तहत कॉलेज स्टूडेंट्स को हर साल 3 हजार रुपए यातायात भत्ता। जेकेपीएससी और यूपीएससी की तैयारी के लिए 2 साल तक 10 हजार रुपए कोचिंग फीस की आर्थिक सहायता। 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा।

किसानों के लिए

पीएम किसान सम्मान निधि में 10 हजार दिए जाएंगे, 6 हजार रुपए में अतिरिक्त 4 हजार शामिल

होंगे। खेती के कामों के लिए बिजली दरों को 50 फीसदी कम किया जाएगा। अटल आवास योजना के जरिए भूमिहीन लोगों को 5 मरला (करीब एक बीघा) जमीन मुफ्त दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने जल संचय जन भागीदारी पहल की शुरुआत की, बोले-

जल संरक्षण मानवता के भविष्य का सवाल

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री ने गुजरात में जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत की। प्रधानमंत्री वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि यह बेहद अहम पहल है, जिसकी गुजरात की धरती से शुरुआत हो रही है। जल शक्ति मंत्रालय ने इस पहल की शुरुआत की है। हाल के दिनों में देश के हर कोने में भारी बारिश से तबाही जारी है। देश को कोई हिस्सा ही शायद होगा, जिसने इस प्राकृतिक आपदा की वजह से संकट न झेला हो। इस बार गुजरात को भी भारी संकट का सामना करना पड़ा। हमारी सारी व्यवस्थाओं में भी इतनी क्षमता नहीं है कि इस प्राकृतिक आपदा की घड़ी में हमारी मदद कर सकें, लेकिन गुजरात के लोगों और अन्य देशवासियों में ये आदत है कि संकट की घड़ी में सभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण सिर्फ एक नीति नहीं है बल्कि यह एक प्रथा है। यह हमारी जिम्मेदारी भी है। जब भावी पीढ़ियां हमारा आकलन करेंगी तो हमारा जल के प्रति जो रवैया है, उसका भावी पीढ़ी सबसे पहले आकलन करेंगी। यह जीवन-मरण का सवाल है और यह मानवता के भविष्य का सवाल है। इसलिए हमने सतत विकास के लिए जिन नौ संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल संरक्षण पहला संकल्प है।

जल संरक्षण भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा

प्रधानमंत्री ने कहा जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण...हमारे लिए नए

शब्द नहीं हैं। ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कहा गया है। नदियों को देवी माना गया और सरोवरों, कुंडों को देवालय का दर्जा मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने सरदार सरोवर बांध को पूरा करने की चुनौती ली थी और कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद गुजरात में जल संरक्षण पहल की शुरुआत की। शुरुआत में हमारे विरोधियों ने हम पर तंज कसे कि जो पाइप डाले जा रहे हैं, उनसे पानी की जगह हवा की सप्लाई होगी, लेकिन हमारी मेहनत का फल मिला और इसे अब पूरी दुनिया देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने पर्यावरण के लिए देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की है। जब पेड़ लगते हैं तो भूजल का स्तर बढ़ता है। बीते कुछ सप्ताह में मां के नाम पर देश में करोड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं। ऐसे कितने ही अभियान और संकल्प हैं, जो 140 करोड़ देशवासियों की भागीदारी से आज जनांदोलन बनते जा रहे हैं। हमारी सरकार पूरे समाज के लिए काम करने की सोच के साथ काम कर रही है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, बद्रीनाथ हाईवे बंद

राजस्थान में बारिश का 13 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 18 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर आज सुबह लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ का आधा हिस्सा टूटकर सडक़ पर गिर गया। दोनों तरफ गाडिय़ों की लंबी कतारें लगी हैं। राजस्थान में बारिश के 13 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। इस मानसून सीजन, 1 जून से 5 सितंबर तक औसत 607.5 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि पूरे सीजन में 435.6 मिमी बारिश होती है। इससे कई डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। इधर मध्य प्रदेश में 1 जून से 5 सितंबर तक 904.9 मिमी बारिश हुई। यह सालाना मानसून औसत से 10 प्रतिशत ज्यादा है। राज्य में सामान्य रूप से 823.9 मिमी बारिश होती है। आंध्र प्रदेश में पिछले हफ्ते से लगातार भारी बारिश की वजह से कई जिलों में बाढ़ है। विजयवाड़ा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां सडक़ें और घर डूब गए हैं। राज्य में अब तक 17 लोगों की मौत हुई है। 6 लाख से ज्यादा लोगों को घर छोडऩा पड़ा है। बाढ़ के कारण 3,973 किमी सडक़ें प्रभावित हुई हैं। केंद्र ने एनडीआरएफ की 30 टीमें और हेलिकॉप्टर तैनात किए हैं। सेना की भी मदद ली जा रही है।

विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने पर बृजभूषण बोले-महिला पहलवानों का आंदोलन कांग्रेस प्रायोजित था, यह बात सत्य हुई

गोंडा ।

महिला पहलवान विनेश फोगाट के शुक्रवार को कांग्रेस शामिल होने पर प्रतिक्रिया देते हुये भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने दावा किया कि यह बात सत्य साबित हुयी कि उनके खिलाफ महिला पहलवानों का आंदोलन कांग्रेस प्रायोजित था।

गोंडा के डुमरियाडीह स्थित एक निजी विद्यालय में स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम में पूर्व सांसद ने अपने संबोधन में कहा, ''मेरे खिलाफ जब महिला पहलवानों ने आरोप लगाए थे, मैंने तभी बोल दिया था कि यह कांग्रेस की साजिश है। हरियाणा के बड़े नेता दीपेंद्र हुड्डा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा हमारे खिलाफ साजिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने जो बात पहले दिन कही थी, आज भी उसी पर कायम हूं और आज वही बात पूरा देश कह रहा है। अब मुझे इस बारे में ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रकरण पर ज्यादा नहीं बोलूंगा, अन्यथा यह बात तुरंत हरियाणा पहुंच जाएगी। इस समय पूरा देश इंतजार कर रहा है कि बृजभूषण शरण सिंह इस मुद्दे पर कुछ बोलें।''

गौरतलब है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले फोगाट ने निजी कारणों का हवाला देते हुए भारतीय रेलवे की नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गयीं। फोगाट के अलावा पूर्व ओलंपियन बजरंग पूनिया ने भी कांग्रेस का हाथ थामा।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर फोगाट और पूनिया के साथ राहुल गांधी की एक तस्वीर साझा की है।

मणिपुर में पूर्व मुख्यमंत्री के घर पर रॉकेट से हमला, एक की मौत, 5 घायल

-2 इमारतें क्षतिग्रस्त हुई

इंफाल ।

मणिपुर के बिष्णुपुर में पूर्व मुख्यमंत्री के घर पर रॉकेट से हमला हुआ है। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई और 5 अन्य लोग घायल हो गए हैं। सुरक्षा बल हमलावरों की तलाश में लगे हैं। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच विष्णुपुर जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने पूर्व सीएम मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर रॉकेट बम से अटैक किया। इस हमले में 1 बुजुर्ग व्यक्ति की मौत और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आज सुबह मोइरंग इलाकेसे 4 किलोमीटर दूर ट्रोंगलाओबी में रॉकेट बम से हमला हुआ। इसमें 2 इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थी। ऐसी आशंका है कि कुकी उग्रवादियों को म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है। उग्रवादियों ने रॉकेट के अलावा बम का भी इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार पहले कभी मोइरांग में बंदूक और बम से हमले नहीं हुए थे।

इन रॉकेट्स की मारक क्षमता 3 किलोमीटर से अधिक थी।

हालांकि, बम विस्फोट में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन एक स्थानीय सामुदायिक हॉल और एक खाली कमरा डैमेज हो गया। मणिपुर में हाल के हमलों ने सुरक्षा की गंभीर चुनौतियों को उजागर किया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा को कमल चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने सम्बन्धी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी को कमल चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग कर रही याचिका खारिज कर दी है। शुक्रवार को शीर्ष न्यायालय ने याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई और कहा कि आप प्रसिद्धि के लिए ऐसा कर रहे हैं। इससे पहले मार्च में भी मद्रास हाईकोर्ट में इस तरह की याचिका दाखिल हुई थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। दरअसल, याचिकाकर्ता जयंत विपट ने साल 2022 में दीवानी मुकदमा दाखिल किया था। दावा किया गया था कि एक राजनीतिक दल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी को रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट के आधार पर रजिस्टर्ड पार्टी को मिलने वाले फायदे लेने का अधिकार नहीं है। विपट ने पार्टी को लाभ मिलने से रोकने के लिए निर्देशों की मांग की थी। उन्होंने पार्टी के चिह्न के तौर पर कमल का इस्तेमाल से रोके जाने की भी मांग की थी।

खास बात है कि अक्टूबर 2023 में तकनीकी आधार पर सिविल कोर्ट ने मुकदमे को खारिज कर दिया था। इसके बाद

विपट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का रुख किया था। उच्च न्यायालय से भी उन्हें झटका लगा और याचिका खारिज हो गई। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मद्रास हाईकोर्ट में भी टी रमेश नाम के शख्स ने याचिका दाखिल की थी। उन्होंने भाजपा को कमल चुनाव चिह्न आवंटित करने से रोकने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की मांग की थी। तब कहा गया था कि कमल भारत का राष्ट्रीय फूल है और उसे किसी राजनीतिक दल को आवंटित नहीं किया जा सकता है।

बम की अफवाह के बाद मुंबई से फ्रैंकफर्ट फ्लाइट तुर्की डायवर्ट

मुंबई । शुक्रवार को मुंबई से फ्रैंकफर्ट (यूके 27) की ओर जा रहे विस्तारा बोइंग 787 को डायवर्ट करना पड़ा। विमान के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर पर प्लेन में बम है...यह मैसेज लिखा था। इसके बाद विमान को सुरक्षा कारणों से तुर्की के एर्जुरूम एयरपोर्ट की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। इसके बाद विमान तुर्की में सुरक्षित रूप से उतारा गया। घटना को लेकर विस्तारा ने बताया कि उनकी फ्लाइट 27, जो 6 सितंबर, 2024 को मुंबई से फ्रैंकफर्ट के लिए ऑपरेट हो रही थी, को एक सुरक्षा चिंता के कारण तुर्की मोड़ दिया गया था। कंपनी ने कहा कि इसे हमारे चालक दल ने ऑनबोर्ड नोट किया था। विमान एर्जुरम एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतरा है। प्रोटोकॉल के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और हम अनिवार्य सुरक्षा जांच पूरी करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। विमानन कंपनी ने कहा कि विस्तारा में, हमारे ग्राहकों, चालक दल और विमान की सुरक्षा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अगर सुरक्षा जांच के बाद यह पाया गया कि यह एक होक्स है, तो विमान अपने गंतव्य के लिए आगे बढ़ेगा।

घातक व असामाजिक हालात बनाता सोशल मीडिया

केपी सिंह

पंजाब के एक विधि महाविद्यालय में नए प्रवेशकों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम में, यह जानना चौंकाने वाला था कि औसत छात्र दिन में सात घंटे से अधिक समय तक सोशल मीडिया (एसएम) पर व्यस्त रहते हैं, जिससे उनके पास खेल, पुस्तकालय और अन्य सामुदायिक व्यस्तताओं और व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए कोई समय नहीं बचता है। यह अनुमान लगाया गया है कि 65 प्रतिशत किशोर सोशल नेटवर्किंग सेवा (एसएनएस) से जुड़े हुए हैं और उनमें से 72 प्रतिशत की इंटरनेट तक सीधी पहुंच है। भारत में सोशल मीडिया खातों और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, 77 प्रतिशत कर्मचारी काम पर सोशल नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करना स्वीकार करते हैं। निःसंदेह, एसएम उन लोगों को अद्वितीय मंच प्रदान करता है जो अपने सामाजिक नेटवर्क को बढ़ाने, व्यवसाय को बढ़ावा देने और अकेलेपन को दूर करने की इच्छा रखते हैं। यह उन लोगों के लिए अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है जिन्हें कम्पनी की आवश्यकता होती है। एसएनएस सभी को विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को, एक अच्छा समय व्यतीत करने और मनोरंजन का स्रोत प्रदान करता है। वहीं यह भी वास्तविकता है कि एसएम पर अत्यधिक सक्रियता इसके उपयोगकर्ताओं के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डालता है। बफेलो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार, एसएनएस के अत्यधिक उपायों से उन कॉलेज के छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है जो बड़े पैमाने पर नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करते हैं, उनमें सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) का प्रभाव उच्च स्तर पर होता है, जो मधुमेह और हृदय सम्बन्धी बीमारियों से जुड़ी समस्या का संकेत है। सोशल मीडिया की आदी नई पीढ़ी को 'नीली रोशनी के प्रभाव' से पीड़ित होने का जोख़िम अधिक होता है, जो सक्रिय इलेक्ट्रोनिक उपकरणों से उत्सर्जित होती है, यह मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है जो निद्रा और जाग्रत-चक्र या 'सर्केडियन' लय को नियन्त्रित करता है, जिसके परिणामस्वरूप नींद और प्रतिरोधक-क्षमता प्रभावित होती है।

न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन मेडिकल सेंटर में नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ स्टडी (2018) की रिपोर्ट है कि स्क्रीन-टाइम गतिविधियों पर दिन में दो घंटे से अधिक समय बिताने वाले बच्चों ने भाषा और विचार परीक्षणों में कम अंक प्राप्त किए। सात घंटे से अधिक समय तक प्रतिदिन मीडिया स्क्रीन के सम्पर्क में रहने वाले कुछ बच्चों के मस्तिष्क के अवयव के पतले होने का अनुभव किया गया, मस्तिष्क का यह क्षेत्र आलोचनात्मक सोच और तर्क से सम्बन्धित है। 2015 में, मनोवैज्ञानिक मैरियन अंडरवुड और समाजशास्त्री रॉबर्ट फारिस ने तेरह साल के 200 से अधिक छात्रों के लगभग 1.5 लाख सोशल-मीडिया पोस्ट का विश्लेषण किया और पाया कि उन्होंने अपने लिए काफी अलग ऑनलाइन व्यक्तित्व बनाए थे, उन्होंने किसी झिझक और परिणामों या नतीजों के डर के बिना जो कुछ भी करना चाहा उसे करने या कहने की आज़ादी महसूस की। मीडिया सिद्धांतकार डगलस इस घटना को 'डिजिफ्रेनिया' कहते हैं, जो 'एक ही समय में अपने एक से अधिक अवतारों में मौजूद रहने की कोशिश करने का अनुभव है।' अध्ययनों ने स्थापित किया है कि सोशल मीडिया साइटों से प्राप्त लगातार उत्तेजना मनुष्यों में ध्यान-अवधि को कम करती है, और इसके दूरगामी परिणामों से रूबरू कराती है। ऐसे व्यक्तियों को स्वयं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है, वे विवरण पर कम ध्यान देने के परिणामस्वरूप गलतियां कर सकते हैं, और सामाजिक स्थितियों, कार्यस्थल और शैक्षणिक संस्थानों जैसी परिस्थितियों में खराब प्रदर्शन कर सकते हैं। तुलना मानव स्वभाव में निहित है। सोशल मीडिया पर प्रकाशित नकली वीडियो, प्रायोजित जानकारी, अव्यावहारिक समाधान और 'शरारतपूर्ण उपाय' इतने मंत्रमुग्ध कर देने वाले होते हैं कि अनजान और निर्दोष उपयोगकर्ता अपने 'वास्तविक जीवन' की तुलना अन्य लोगों के छद्म जीवन से करना शुरू कर देते हैं, जो अन्ततः उन्हें निराश, उदास और आत्म-संदेह से ग्रस्त करता है। यह दुखद है कि डिजिटल प्लेटफार्म पर अधिकतम 'लाइक्स' प्राप्त करने की दौड़ और सर्वश्रेष्ठ वीडियो और कहानियां बनाने की खोज ने कई भोले-भाले व्यक्तियों को अपने और दूसरों के निजी जीवन के प्रत्येक क्षण को साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर दिया है, जिससे हर कोई उनकी गोपनीयता में घुसपैठ कर रहा है। इससे विभिन्न प्रकार के व्यवहार सम्बन्धी टकराव, सम्बन्धों में कलह और सामाजिक द्वंद्व उत्पन्न हो रहे हैं। ऐसे अबोध ग्राहक यह अन्तर नहीं कर पाते हैं कि दूसरों को प्रभावित करने की बजाय सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों को लाभान्वित करने के लिए सबसे करीबी माध्यम है।

सामाजिक सम्पर्क साइटों पर गुप्त और असत्यापित जानकारी की बमबारी दर्शकों के दिमाग को अव्यवस्थित करने के अलावा उनके प्राइम-टाइम पर जगह बनाने और विचलित करने का कारण बन रही है, इसने उनसे दिमाग, दिल और आत्मा के साथ कुछ पल रहने और जीने का आनन्द छीन लिया है। इसके अतिरिक्त, पक्षपाती सोशल मीडिया एल्गोरिदम निष्क्रिय रूप से उपयोगकर्ताओं को अनुपयुक्त सामग्री का उपभोग करने के लिए मजबूर करते हैं जो नैतिक असंवेदनशीलता का कारण बन सकते हैं।

एक अध्ययन के अनुसार ऐसे पीड़ित स्क्रीन-उत्तेजना की खोज़ करने की इच्छा से मजबूर होकर, दिन में 79 बार अनैच्छिक रूप से अपने मोबाइल फोन की जांच करते देखे जा सकते हैं। नेटवर्किंग साइटों पर अत्यधिक व्यस्तता

व्यक्तियों को एकान्त और अकेलेपन में घसीटने की क्षमता रखती है। नियमित रूप से आमने-सामने की बातचीत के अभाव में, मनुष्य चेहरे के संकेतों, आवाज़ के स्वर और परिवर्तन, शरीर की भाषा और भावनाओं की गर्मजोशी को पहचानने और उन पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता खो देते हैं।

सोशल मीडिया की लत के नैतिक परिणाम कहीं अधिक गम्भीर हैं और 'साइबरबुलिंग' से लेकर निजता के उल्लंघन तक फैले हुए हैं। मिडल और हाई स्कूलों के 30 प्रतिशत छात्रों की पहचान 'साइबरबुलिंग' के पीड़ितों या दोषियों के रूप में की गई है, और उनमें से 18 प्रतिशत लड़कियां हैं। दुर्भाग्य से, 'साइबरबुलिंग' के 15 प्रतिशत पीड़ित अवसाद के कारण आत्महत्या करने का प्रयास करते हैं। सोशल मीडिया पर गुप्त पहचान और गुमनामी अक्सर उपयोगकर्ताओं को अनुचित सामग्री पोस्ट करने और पीछा करने, ट्रोलिंग और साइबरबुलिंग जैसे साइबर-अपराधों में लिप्त होने के लिए प्रोत्साहित करती है। हालांकि, टेलीग्राफ संचार अधिनियम, 2023 सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के कर्तव्यों को निर्धारित करता है, ग्राहकों को उनकी निजता में अनधिकृत घुसपैठ से बचाने के लिए उपाय निर्धारित करता है और प्रवर्तन एजेंसियों को आपत्तिजनक संचार को रोकने और सेवा प्रदाताओं को ऐसे तत्वों को बेनकाब करने और उनके 'एन्क्रिप्टेड' संदेशों को प्रकट करने के लिए मजबूर करने का अधिकार देता है। लेकिन नियमों के अभाव और जनता की ओर से जागरूकता की कमी में यह निवारक कानून साबित नहीं हो रहा है। मीडिया-स्क्रीन पर अति-सक्रियता के मुद्दे पर सभ्यता ऐसे घातक मोड़ पर खड़ी है कि उसे आत्मनिरीक्षण करना ही पड़ेगा कि 'क्या हम सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं या इसने हमें हज़म करना शुरू कर दिया है?'

लेखक हरियाणा के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

> यह दुखद है कि डिजिटल प्लेटफार्म पर अधिकतम 'लाइक्स' प्राप्त करने की दौड़ और सर्वश्रेष्ठ वीडियो और कहानियां बनाने की खोज ने कई भोले-भाले व्यक्तियों को अपने और दूसरों के निजी जीवन के प्रत्येक क्षण को साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर दिया है, जिससे हर कोई उनकी गोपनीयता में घुसपैठ कर रहा है। इससे विभिन्न प्रकार के व्यवहार सम्बन्धी टकराव, सम्बन्धों में कलह और सामाजिक द्वंद्व उत्पन्न हो रहे हैं।

संपादकीय

जल्दीबाजी का कानून

हाल ही में कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार और हत्या की घटना ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल व देश के अन्य भागों में चिकित्सा बिरादरी के लोग व छात्र-छात्राएं आंदोलनरत रहे हैं। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद घटना थी। लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति होती रही है, वह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। विडंबना है कि एक अमानवीय घटना को राजनीतिक अस्त्र बनाने और उसका प्रतिकार करने का माध्यम बना दिया गया। इसी कड़ी में आनन-फानन में बुलाए गए पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्र में जल्दीबाजी में बलात्कार विरोधी विधेयक 'अपराजिता' पारित कर दिया गया। यदि किसी महिला के साथ बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या उसे छोड़ भी दिया जाता है, तो विधेयक बलात्कारी के लिये मृत्युदंड का प्रावधान करता है। कहा जा रहा है कि दुराचार के बाद युवा डॉक्टर की निर्मम हत्या के बाद पश्चिम बंगाल में जो आक्रोश आम लोगों में उपजा है उसको दबाने की यह एक राजनीतिक निहितार्थ वाली प्रतिक्रिया है। दरअसल, यह विधेयक जनता के व्यापक विरोध के बाद सामने आया है। जनता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से न्याय और जवाबदेही की मांग करती रही है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि विधेयक का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शासन की प्रतिबद्धता के प्रति आश्वस्त करना है। हालांकि, ममता सरकार द्वारा आनन-फानन में लाए गए विधेयक ने इस बात को लेकर बहस छेड़ दी है कि यह कदम राज्यव्यापी असंतोष को शांत करने के लिये महज राजनीति से प्रेरित प्रतिक्रिया है। दरअसल, राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेता जनता के भारी विरोध का सामना कर रहे हैं। हाल ही में आंदोलनकारी प्रशिक्षु डॉक्टरों पर भीड़ के हमले और प्रदर्शन के दौरान पुलिस के दमन से लोगों में भारी गुस्सा है। यही नहीं, टीएमसी के कई नेताओं की असंवेदनशील टिप्पणियों ने भी आंदोलनकारियों के आक्रोश को और बढ़ाया है। दरअसल, राज्य के लोगों खासकर महिलाओं में इस बात को लेकर भी गुस्सा है कि जिस राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री हो, वहां एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार व हत्या के मामले में राज्य सरकार ने ईमानदार प्रतिक्रिया नहीं दी। टीएमसी के कई नेताओं द्वारा की गई अनर्गल बयानबाजी ने भी आग में घी डालने का काम किया। दरअसल, राज्य सरकार ने इस कांड में किरकिरी होते देख मामले को दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के परिवार ने भी उनके साथ किये गए व्यवहार को लेकर तीखा प्रतिवाद किया था। फिर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी व मेडिकल कालेज के परिसर में आंदोलनरत छात्रों पर एक भीड़ के हमले ने यह संदेश दिया कि मामले को दबाने की कोशिश हो रही है। इस तरह के कृत्यों से राज्य में घटना का विरोध और तेज होता चला गया। निस्संदेह, इस मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा जमकर राजनीति की गई, लेकिन जिस तरीके से राज्य सरकार व प्रशासन ने मामले में प्रतिक्रिया दी, उसने लोगों के गुस्से को बढ़ाया ही है। एक पहलू यह भी है कि नया विधेयक केंद्र की भारतीय न्याय संहिता के साथ तालमेल नहीं रखता, जो बलात्कार के लिये मृत्युदंड का प्रावधान नहीं करती। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के इसी तरह के विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति के लिये जूझते रहे हैं। दरअसल, विगत के अनुभव बताते हैं कि मौत की सजा इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण करने में सफल नहीं हुई है।

संगठन पर्व से राष्ट्र निर्माण

लगभग 44 वर्षों की इस यात्रा में आज हमारी भाजपा भारतीय राजनीति के जिस शीर्ष पर पहुंची है, वो हमारी विचारधारा के प्रति एकनिष्ठ और समर्पित भाव से बढ़ते रहने के कारण ही संभव हुआ है। अपने 45 वें वर्ष में दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल ने चार दशक पूर्व जो सपने देखे, वह तो साकार हुए ही हैं, साथ ही स्वाधीनता के अमृत वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को अपना दिशा-सूत्र बना चुका है, जिसको पूरा करने का दारोमदार भी भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के कंधों पर है।

(लेखक- विष्णुदत्त शर्मा)

-विकसित भारत की संकल्प सिद्धि का अभियान

लोकतंत्र की भावना भारतीय जनता पार्टी संगठन की पंच निष्ठाओं में से एक है। यह भावना सिर्फ वैचारिक स्तर पर ही नहीं, अपितु पार्टी के आचरण और उसकी कार्यपद्धति में भी स्पष्ट दिखाई देती है। संगठन पर्व भाजपा का सदस्यता अभियान इसी लोकतांत्रिक कार्य पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से नए सदस्य भाजपा परिवार से जुड़ते हैं और विचार को विस्तार देते हैं। ऐसे ही विशिष्ट कार्यशैली वाले अभियानों के बल पर भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सदस्यता ग्रहण किए जाने के उपरांत देश में 2 सितंबर से संगठन पर्व प्रारंभ हो चुका है। हमारे पूर्वजों ने पार्टी संगठन तथा कार्यकर्ताओं को गढ़ने और तराशने के लिए जो त्याग और परिश्रम किया है, उसी के बल पर वर्तमान में मध्यप्रदेश के पार्टी संगठन को पूरे देश में आदर्श माना जाता है। प्रदेश के लाखों-लाख कार्यकर्ता अपनी इस पहचान को कायम रखते हुए संगठन पर्व में पार्टी के विस्तार को नई ऊंचाईयां प्रदान करने को तैयार हैं।

पंचनिष्ठाओं पर आधारित हमारा विचार और आधार

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक, दर्शन के रूप मंय अपनाया है तथा सुशासन, विकास एवं सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताएं हैं। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की है, जिन्हें 'पंचनिष्ठा' कहते हैं। यह पंचनिष्ठाएं राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गाँधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो वैचारिक प्रतिष्ठान और अधिष्ठान पर चलती है, और जो राष्ट्रवादी विचारों से जुड़ी है। हमें गर्व है कि हमारा दल देश का ऐसा एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसने राष्ट्रहितों के साथ कभी समझौता नहीं किया, अन्य सभी दलों ने सत्ता प्राप्ति एवं स्वार्थ सिद्धि के लिए एक नहीं, अनेकों बार समझौता किया। भाजपा के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है, समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका पहला कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो संगत विचारधारा से प्राप्त होता है। भाजपा को छोडकर आज भारत के सभी राजनैतिक दल विचारधारा की शून्यता के शिकार हैं। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन होगा। भाजपा राष्ट्र प्रथम के साथ शोषित, वंचित, पीड़ित का उत्थान और सेवा कर रही है।

राष्ट्र सर्वोपरि के भाव से अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय हुए

हमारे विचार की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य व दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे पार्टी के संस्थापकों एवं असंख्य कार्यकर्ताओं ने श्रीरामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुई सरकारें भी न्यौछावर कर दीं, यह अपने विचारधारा पर अडिग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितृपुरुषां का संकल्प एवं एक देश में फदो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप अनुच्छेद 370 को हटाने ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के कार्यकाल में भाजपा ने श्रद्धेय अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप फराष्ट्र सर्वोपरि मानकर अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय किये हैं जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरू बनाने का जो सपना देखा था आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उस ओर हम कर्तव्यपरायणता के साथ अग्रसर हैं।

अंत्योदय का सपना साकार कर रही मोदी सरकार

हमारी ध्येय यात्रा में पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय पर आधारित गरीब-कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। हमारी केंद्र की सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए और आयुष्मान, उज्ज्वला और पीएम आवास जैसी अनुकरणीय योजनाएं संचालित की गईं और देश खुले में शौच से मुक्त हुआ। घर-घर बिजली पहुंचाई गई, 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए और हर घर शुद्ध पेयजल पहुँचाया। कुछ प्रमुख आधारभूत कार्य हैं जो देश की पूर्ववर्ती सरकारों के 50 वर्षों के शासनकाल की प्राथमिकता होनी चाहिए थी, किन्तु वोट बैंक की राजनीति की वजह से किसी एक वर्ग विशेष की चिंता ही उनकी राजनीति की प्राथमिकता रही है। वे तुष्टीकरण करते रहे, हमने संतुष्टीकरण करने का ईमानदार प्रयास किया। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। भाजपा के सिद्धांतों के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पारदर्शिता के शासन से देश के लोकत्रंत को मजबूती दी है, जिससे सामान्य व्यक्ति आज गरिमा के साथ जीवनयापन कर रहा है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरा भारत

आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। भाजपा सरकार में अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है। कोरोना संकट में दुनिया के अनेक देशों ने जहाँ अपने नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया, वहीं भारत में भाजपा की मोदी सरकार ने अपने हर नागरिक के जीवन को अमूल्य मानते हुए उनके लिए अनाज के साथ दवाओं और अन्य वस्तुओं को उपलब्ध कराया। स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका तो निभाई और हर नागरिक के लिए उसे मुफ्त उपलब्ध कराने हेतु विश्व का सबसे बड़ा वैक्सिनेशन अभियान चलाकर दुनिया से अपने सामर्थ्य का लोहा भी मनवा लिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भाजपा का मूलमंत्र बन गया है।

विकसित भारत हेतु सदस्यता अभियान

लगभग 44 वर्षों की इस यात्रा में आज हमारी भाजपा भारतीय राजनीति के जिस शीर्ष पर पहुंची है, वो हमारी विचारधारा के प्रति एकनिष्ठ और समर्पित भाव से बढ़ते रहने के कारण ही संभव हुआ है। अपने 45 वें वर्ष में दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल ने चार दशक पूर्व जो सपने देखे, वह तो साकार हुए ही हैं, साथ ही स्वाधीनता के अमृत वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को अपना दिशा-सूत्र बना चुका है, जिसको पूरा करने का दारोमदार भी भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के कंधों पर है। देश की सेवा के लिए अधिकाधिक लोगों को आव्हान और प्रेरित करना भाजपा का संगठन पर्व है। भारतीय जनता पार्टी का यह संगठन पर्व केवल सदस्यता आंकड़ों को बढ़ाने और सत्ता सुख भोगने के लिए नहीं है, बल्कि जनता का दुख-दर्द दूर करने के साथ देश का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि फआज का विरोधी कल हमारा मतदाता बने, कल का मतदाता परसों भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बने और परसों का सदस्य हमारा सक्रिय कार्यकर्ता बनेफ। निश्चित ही भाजपा अपनी संकल्प शक्ति, निष्ठा और नियति से इस लक्ष्य को पूरा करेगी तथा हमारे सदस्य देश के भविष्य-निर्माण की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाते हुए संकल्प सिद्धि की ओर अग्रसरता में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

विचार मंथन

सेबी में हुई गड़बड़ियों की तुरंत जांच करे सरकार

(लेखक- सनत जैन)

- निवेशकों में हर्षद मेहता जैसे घोटाले की आशंका

हाल के दिनों में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर कई आरोप सामने आए हैं, सबसे गंभीर आरोप यह है, कि उन्होंने एक साथ दो कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक और ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल, में काम किया है। कांग्रेस द्वारा लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन मुद्दों को उठाया जा रहा है। मीडिया एवं सोशल मीडिया में भी आरोप लगाए गए हैं। अडानी समूह से रिश्ते होने के आरोप भी हिडनबर्ग की रिपोर्ट में उनके ऊपर लगे हैं। सेबी और सरकार की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। सेबी के 500 से अधिक अधिकारियों द्वारा सेबी प्रमुख के कामकाज तथा सेबी कार्यालय के माहौल को लेकर वित्त मंत्रालय में शिकायत की है। इस शिकायत में नेतृत्व की कठोरता और मानसिक उत्पीड़न की शिकायत को 1 माह से अधिक समय हो गया है। सरकार और वित्त मंत्रालय ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। रावण के लिए एक विभीषण काफी था। यहां तो 500 से ज्यादा विभीषण खड़े हो गए हैं। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सेबी जैसी संस्था पर भारतीय शेयर बाजार की पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने की जिम्मेदारी है। देश में करोड़ों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेशक हैं। जिनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेबी को निष्पक्ष रूप से काम करना होता है। जब सेबी के भीतर ही बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हों। इसमें सरकार की चुप्पी, देश की वित्तीय प्रणाली पर एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। इससे आम निवेशकों में भय फैल रहा है। उद्योग जगत ने भी अपनी तीव्र प्रतिक्रिया दी है। ज़ी टीवी के प्रमुख सुभाष चंद्रा ने भी खुलकर अपनी बात मीडिया के सामने कही है। कॉर्पोरेट वॉर जैसी स्थिति बन गई है। कांग्रेस ने लगातार तीन से अधिक पत्रकार वार्ता कर दस्तावेज प्रस्तुत करने के साथ आरोप लगाए हैं। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच द्वारा किसी भी आरोप का जवाब नहीं देना, सरकार द्वारा माधवी से जवाब नहीं मांगना, यह साबित करता है, कि सरकार माधवी बुच को किसी कारण से बचाना चाहती है। इस कारण सरकार की साख दिनों दिन गिर रही है। इस मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के लड़के का भी नाम आना शुरू हो गया है। केंद्र सरकार पर यह भी आरोप लगने लगे हैं। क्रोनी कैपिटल को बढ़ावा देने के लिए सरकार के इशारे पर सेबी द्वारा जिस तरह से नीतियां बनाई गईं हैं, क्रॉनि कैपिटल को बढ़ावा देने और बाजार पर कुछ उद्योग समूह का नियंत्रण बनाने में सेबी प्रमुख के साथ-साथ सरकार की सहभागिता भी है। जिसके कारण सरकार सेबी प्रमुख माधवी बुच का बचाव कर रही है। देश में जिस तरह की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थितियां वर्तमान में बनी हुई हैं। उसमें सरकार खुद फंसती हुई, नजर आ रही है। जिस तरह के सेबी प्रमुख पर आरोप लगे हैं। उन सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो। सभी आरोपों का पारदर्शी तरीके से निपटारा हो। इसकी जवाबदारी सरकार की है। सेबी जैसी संस्था की विश्वसनीयता और इसके कामकाज को पारदर्शी बनाए रखना देश के वित्तीय हितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। करोडों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेशकों के हितों के लिए बहुत जरूरी है। 1992 के हर्षद मेहता घोटाले में यूटीआई और बैंकों में जिन लोगों ने निवेश किया था, उन लोगों को भी काफी बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पडा था। 1993 की तुलना में 2023 और 24 में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का शेयर बाजार में कई गुना ज्यादा निवेश है। यदि मामले को तुरंत नहीं संभाला गया, तो आने वाले दिनों में शेयर बाजार में बड़ी उथल-पुथल होती है। ऐसी स्थिति में करोड़ों छोटे-छोटे निवेशक सड़क पर आकर खड़े हो जाएंगे।

इस स्थिति को संभाल पाना सरकार के लिए संभव नहीं होगा। सरकार को तत्काल इस मामले मे संज्ञान लेकर, कार्रवाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट को भी स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की पुनः सुनवाई शुरू करनी चाहिए।

भारतीय कंपनियों में विदेशी पूंजी और आकर्षित होने की संभावना

नई दिल्ली । अमेरिकी ब्रोकरेज मॉर्गन स्टैनली ने कहा कि इंडेक्स में टॉप वेटेज के रूप में भारत की स्थिति से भारतीय कंपनियों में विदेशी पूंजी और आकर्षित होने की संभावना है। मुख्य एमएससीआई ईएम इंडेक्स (स्टैंडर्ड इंडेक्स) बड़े और मिडकैप सेक्टर को कवर करता है, आईएमआई में लार्ज, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों की ज्यादा बड़ी रेंज शामिल है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार चीन की तुलना में भारत का भारी वेटेज इस ईएम बास्केट में ज्यादा स्मॉलकैप वेटेज के कारण है। बता दें कि पिछले 3-4 सालों में भारतीय शेयर बाजारों ने जबरदस्त रफ्तार दिखाई है। खासकर कोरोना महामारी के बाद जहां चीन समेत एशियाई बाजार काफी समय तक दबाव में रहे तो इंडियन इक्विटी मार्केट में तेजी जारी है।

यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स की नजर क्रॉस बॉर्डर फंड पर

मुंबइ । वेंचर कैपिटल फर्म यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स अब क्रॉस बॉर्डर वेंचर फर्म बनने की दिशा में काम कर रही है। क्रॉस बॉर्डर फंड की अपनी अनूठी विशेषताएं होती हैं। वे फंड को दो देशों में मजबूत संबंध बनाने और एक नेटवर्क बनाने की अनुमति देते हैं जो दोनों क्षेत्रों को शामिल करता है। भारत में फिलहाल सिर्फ नेक्सस वेंचर पार्टनर्स एकमात्र उद्यम पूंजी (वीसी) है, जिसके पास ऐसी संरचना है। फंड में सीमित साझेदारों (एलपी) को आकर्षित करने की क्षमता के अलावा यूआईवी के लिए दूसरा बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों और खासकर अमेरिका में अपनी पोर्टफोलियो फर्मों के लिए एक नेटवर्किंग मंच प्रदान करना है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा ` कि हम वीसी, टीम आदि के तौर पर एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना चाहते हैं। मगर सबसे जरूरी है कि इससे हमें साथ में निवेश करने वाले और नई कंपनियों को भी नए परिवेश में लाने की क्षमता मिलेगी। आज सीरीज बी के बाद कुछ ही लोग हैं जो बड़े पैमाने पर फंडिंग करते हैं। हम पूंजी के एक वैकल्पिक स्रोत बनना चाहते हैं।

देश में निवेश की संभावना तलाशने भारत आ रहे अमेरिकी पेंशन फंड अधिकारी

नई दिल्ली ।

देश में निवेश की संभावना तलाशने के लिए अमेरिका के सार्वजनिक पेंशन फंडों के उच्च स्तरीय अधिकारियों का एक दल अगले हफ्ते भारत आ रहा है। ये अधिकारी अमेरिका के विभिन्न प्रांतों से हैं और कुल मिलाकर अमेरिका और वैश्विक बाजारों में निवेश की गई 1.8 लाख करोड़ डॉलर की परिसंपत्ति (एयूएम) का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस प्रतिनि धिमंडल की मेजबानी भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) मिशन, भारत के वित्त मंत्रालय और राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढांचा कोष कर रहे हैं। रोडशो को वित्तीय भविष्य का निर्माण नाम दिया गया है जिसका आयोजन 9 से 13 सितंबर तक किया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों का दल दिल्ली, बेंगलूरु और मुंबई का दौरा करेगा जहां वह प्रौद्योगिकी, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों से मुलाकात करेगा। दिल्ली में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी उसकी बैठक होगी। अमेरिका में करीब 200 सार्वजनिक पेंशन फंड हैं। अगले हफ्ते भारत आने वाले प्रतिनिधिमंडल में 5 पेंशन फंडों के 5 अधिकारी शामिल होंगे। अमेरिका के महावाणिज्य दूतावास के प्रमुख माइक हैंकी ने कहा` कि यह पहला मौका है जब अमेरिकी मिशन इस तरह से फंडों का एक प्रतिनिधिमंडल किसी देश में भेज रहा है। भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचा, डीकार्बोनाइजेशन, बंदरगाह, विमानन, स्वास्थ्य देखभाल और फार्मा जैसे क्षेत्रों में अपार अवसरों का प्रतिनिधित्व करता है। हमारा लक्ष्य इन पेंशन फंड प्रतिनिधियों को भारत में अवसरों से अवगत कराना है। वैश्विक फर्मे किसी एक देश पर निर्भरता घटाकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही हैं और अलग-अलग जगहों पर अपना विनिर्माण केंद्र स्थापित कर रही हैं।

रुपया दो पैसे मजबूत होकर 83.95 डॉलर पर

मुंबई । रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे मजबूत होकर 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे मजबूत होकर 83.96 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 पर पहुंच गया गया जो पिछले बंद से दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.97 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.97 अंक पर रहा।

मैक्स फाइनेंशियल में 3.18 फीसदी हिस्सेदारी 1,218 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली ।

मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज की प्रवर्तक कंपनी मैक्स वेंचर्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स ने गुरुवार को खुले बाजार में लेनदेन के जरिये कंपनी में 3.18 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,218 करोड़ रुपये में बेच दी। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमएफएसएल) के पास मैक्स लाइफ इंश्योरेंस का स्वामित्व है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक मैक्स वेंचर्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स ने नोएडा स्थित मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज में 3.18 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर कुल 1,10,00,000 शेयर बेच दिए। इन शेयरों का निपटान 1,107.37 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर किया गया। इस तरह लेनदेन का कुल मूल्य 1,218.11 करोड़ रुपये हो गया। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद एमएफएसएल में प्रवर्तकों की संयुक्त हिस्सेदारी 6.52 प्रतिशत से घटकर 3.34 प्रतिशत रह गई है। हालांकि मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों के खरीदारों का विवरण पता नहीं चल सका।

निवेशकों के साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये डूबे

शेयर बाजार में भारी गिरावट
सेंसेक्स 1017 , निफ्टी 292 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1017.23 अंकों की गिरावट के साथ ही 81,183.93 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 292.95 अंक नीचे आकर 24,852.15 अंकों पर बंद हुआ। इसइ दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.46 लाख करोड़ रुपये घटकर 461.22 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। इस प्रकार निवेशकों को साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस प्रकार की गिरावट से निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

माना जा रहा है कि बाजार में ये गिरावट अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों के जारी होने से पहले ही निवेशकों के सतर्क रुख से आई हैं। इन आंकड़ों से अब फेडरल रिजर्व की नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की भी संभावना है। ऐसे में बाजार में गिरावट बढ़ सकती है।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए जबकि सिर्फ 4 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की कुल 50 कंपनियों में से 42 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए और केवल 8 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.40 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.09 फीसदी , एनटीपीसी के शेयर 2.08 फीसदी , एचसीएल टेक के शेयर 1.95 फीसदी , रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.92 फीसदी टाटा मोटर्स के शेयर 1.87 फीसदी , आईटीसी के शेयर 1.86 फीसदी गिरावट पर बंद बंद हुए सेंसेक्स की सिर्फ 4 कंपनियों के शेयरों में रही बढ़त सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।

बजाज फाइनेंस के शेयर 1.03 फीसदी, जेएसडब्लू के शेयर 0.79 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।जानकारों के अनुसार पिछले दो सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार बढ़ोतरी के कारण भी निवेशकों ने आज जमकर मुनाफावसूली की बाजार में गिरावट का एक कारया वैश्विक मंदी के बढ़ते प्रभाव को भी माना जा रहा है।

अमेरिकी शेयर बाजारों में भी सभी तीन प्रमुख सूचकांकों में गिरावट देखी गई, जहां एसएंडपी 500 में 0.3फीसदी, डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल औसत में 0.54फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.25फीसदी की गिरावट रही।

वहीं एशियाई बाजारों में भी निक्केई और कोस्पी में गिरावट आई जिससे भी भारतीय बाजार विपरीत प्रभाव पड़ा। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 688 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,970 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहने से भी निवेशक संशय में आ गये।

वैश्विक बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल, जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग के शेयर गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बाजार मामूली गिरावट के साथ खुले। दरअसल अमेरिका के नौकरी और पेरोल आंकड़े जारी होने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। निफ्टी-50 इंडेक्स 0.16 फीसदी गिरकर 25,103.25 अंक पर आ गया, जबकि एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.21 फीसदी गिरकर 82,029.97 पर कारोबार देखा गया।

टीवीएस मोटर्स ने की 3.91 लाख टू-व्हीलर की बिक्री

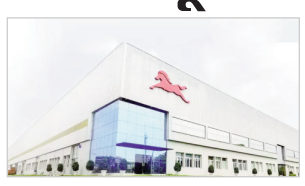

नई दिल्ली ।

अगस्त 2024 में सालाना आधार पर टीवीएस मोटर्स ने 13.23 प्रतिशत की शानदार ग्रोथ हासिल की। इस दौरान कंपनी ने 3.91 लाख टू-व्हीलर की बिक्री की है। अगस्त 2023 में ये आंकड़ा 3.45 लाख यूनिट का था। टीवीएस आईक्यूब कंपनी के लाइनअप में एकमात्र इलेक्ट्रिक स्कूटर है और इसका भी कंपनी की ग्रोथ में अहम रोल है। पिछले महीने की बात करें तो कंपनी ने आईक्यूब की 24,779 यूनिट बेची थीं। जबकि जुलाई 2023 में इसकी 23,887 यूनिट बिकी थीं। यानी 892 ज्यादा ग्राहकों के साथ इसे सालाना आधार पर 3.73 प्रतिशत की ग्रोथ मिली। कंपनी की कुल बिक्री में इसने 6.54प्रतिशत की हिस्सेदारी दी। आईक्यूब के इस साल के सेल्स डेटा पर नजर डालें तो यह अगस्त में सबसे ज्यादा बिका है। बीते महीने इस स्कूटर की सेल्स 24,779 यूनिट्स की रही। खास बात ये है कि साल 2023 में भी अगस्त में ही इसकी सबसे ज्यादा यूनिट बिकी थीं। कुल मिलाकर इस साल जनवरी से अगस्त तक इसकी 1,39,676 यूनिट बिकी चुकी हैं। जबकि, 2023 के इन 8 महीने के दौरान इसकी 118,850 यूनिट बिकी थीं। इस हिसाब से आईक्यूब की सेल इस साल बढ़ी है।टीवीएस के मुताबिक आईक्यूब को चलाने का खर्च किसी भी पेट्रोल टू-व्हीलर के मुकाबले बेहद कम है।

कंपनी का कहना है कि पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर है। ऐसे में पेट्रोल स्कूटर को 50,000 किलोमीटर चलाने का खर्च तकरीबन 1 लाख रुपये आता है। वहीं, आईक्यूब को इतने ही दूरी चलाने का खर्च महज 6,466 रुपये ही आता है। कंपनी का कहना है कि पेट्रोल टू-व्हीलर के मेंटेनेंस में भी काफी खर्च होता है, जबकि इलेक्ट्रिक स्कूटर में हल्के-फुल्के मेंटेनेंस की ही जरूरत होती है।

इसके अलावा इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने पर टैक्स में भी बचत होती है।

एमपीसी के नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति समय पर होने की संभावनाः दास

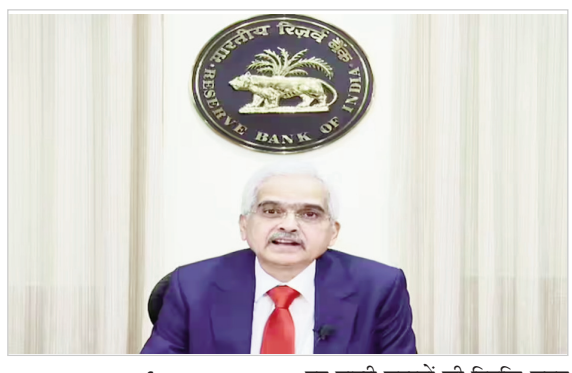

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि संभावना जताई जा रही है कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति समय पर हो जाएगी। यहां वार्षिक फिबैक कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से दास ने कहा कि एमपीसी की बैठक सात अक्टूबर से शुरू हो रही है। यह तभी हो सकती है जब सभी सदस्य मौजूद होंगे। उन्होंने कहा` कि नए सदस्यों की नियुक्ति तो होनी ही चाहिए तभी हम बैठक कर सकते हैं। ऐसा होना चाहिए। हमें उम्मीद है कि नए सदस्य समय पर नियुक्त हो जाएंगे। तीन बाहरी सदस्यों आशिमा गोयल, जयंत वर्मा और शशांक भिड़े का चार साल का कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। समिति में नियुक्तियां सरकार द्वारा की जाती हैं। एमपीसी की अध्यक्षता आरबीआई के गवर्नर करते हैं और इसमें छह सदस्य होते हैं। इसमें गवर्नर समेत रिजर्व बैंक के तीन प्रतिनिधि होते हैं, जबकि अन्य तीन बाहरी सदस्य होते हैं।

प्रस्ताव को सार्वजनिक किए जाने से पहले सदस्य दर निर्धारण पर मतदान करते हैं और बराबरी की स्थिति में गवर्नर के पास निर्णायक मत होता है।

दर निर्धारण समिति में हाल ही में कुछ असहमति देखी गई है, जिसमें गोयल ने ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में वर्मा का साथ दिया है, जबकि अन्य चार ने लगातार मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का पक्ष लिया है।

इससे लगातार नौ एमपीसी बैठकों में केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर के मोर्चे पर यथास्थिति कायम रखी है।

असहमत एमपीसी सदस्यों के अनुसार, ब्याज दरों में कटौती में देरी से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में कमी आ सकती है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । देश में शुक्रवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबे कि वै श्विक बाजार में कच् चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। तेल कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.04 डॉलर की गिरावट के साथ 72.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.05 डॉलर फिसलकर 69.10 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ 5 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई ।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ गई है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया। यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है। इसे काफी हद तक उत्पादकता लाभ और सकारात्मक मांग के रुझान से समर्थन मिला। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ` ने कहा कि भारत के लिए समग्र पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सेवा क्षेत्र में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही। कच्चे माल की लागत में छह महीने में सबसे कम वृद्धि हुई, विनिर्माण तथा सेवा दोनों क्षेत्रों में भी यही रुख देखने को मिला। इससे अगस्त में आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति में कमी आई। सर्वेक्षण में कहा गया कि भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही।

जुलाई में देखी गई वृद्धि की तुलना में भी यह वृद्धि धीमी रही। वहीं रोजगार का स्तर मजबूत बना रहा, हालांकि जुलाई की तुलना में नियुक्ति की गति मामूली धीमी रही।

सोना बढ़कर 72 हजार, चांदी 85 हजार के पार

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। **दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले।** शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 71,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,000 रुपये के पार कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 44 रुपये की तेजी के साथ 71,961 रुपये के भाव पर खुलकर 53 रुपये की तेजी के साथ 71,970 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 130 रुपये की तेजी के साथ 85,056 रुपये पर खुलकर 45 रुपये की तेजी के साथ 85,01 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,547.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,543.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,547.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.15 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.09 डॉलर था।

इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 29.12 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश में 17.1 करोड़ हुई डीमैट खातों की संख्या

अगस्त में खुले 40 लाख से ज्यादा नए अकाउंट

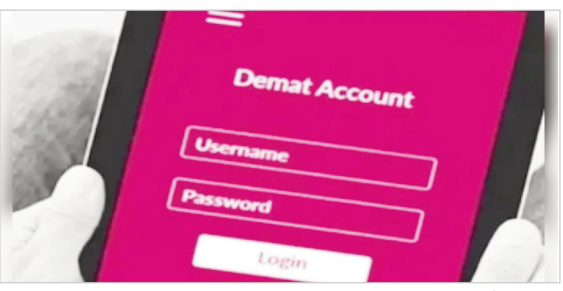

नई दिल्ल ।

शेयर बाजार की तरफ लोगों का रुझान बढ़ने से देश में डीमैट खातों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। अगस्त में देश में 40 लाख से ज्यादा नए डीमैट अकाउंट खुले हैं, जिसके कारण कुल डीमैट खातों की संख्या 17 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) में 31 अगस्त तक कुल डीमैट खातों की संख्या 17.1 करोड़ थी। 2024 की शुरुआत से अब तक हर महीने करीब 40 लाख नए डीमैट अकाउंट खुल रहे हैं। चालू वर्ष के शुरुआती आठ महीनों में करीब 3.2 करोड़ डीमैट अकाउंट खुल चुके हैं। बड़ी संख्या में डीमैट अकाउंट खुलने की वजह इस वित्तीय वर्ष में नए आईपीओ का आना भी है। करीब 50 से अधिक कंपनियां 2024 की शुरुआत से 31 अगस्त तक आईपीओ के जरिए 53,419 करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से की गई स्टडी में कहा गया था कि बड़ी संख्या में निवेशक केवल आईपीओ में हिस्सा लेने के लिए डीमैट खाते खोल रहे हैं। स्टडी में बताया गया था कि अप्रैल 2021 से लेकर दिसंबर 2023 तक आईपीओ के आवेदन के लिए उपयोग किए गए डीमैट में से करीब आधे महामारी के बाद खोले गए हैं। 2024 में शेयर बाजार ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक निफ्टी करीब 15 प्रतिशत और बीते एक साल में 27 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है।

अमेजन इंडिया का निर्यात इस साल 13 अरब डॉलर के पार होगाः कंपनी अधिकारी

नई दिल्ली ।

दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन का निर्यात कार्यक्रम अमेजन ग्लोबल सेलिंग वर्ष 2024 के ओ खिर तक भारत से होने वाले कुल ई-कॉमर्स निर्यात में 13 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर जाएगा। अमेजन इंडिया के एक वैश्विक कारोबारी ने कहा कि कंपनी वर्ष 2025 तक अपने 20 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में निर्यात कार्यक्रम की शुरुआत होने के बाद से दुनिया भर के ग्राहकों को 40 करोड़ से अधिक भारत-निर्मित उत्पाद बेचे जा चुके हैं। उन्होंने अमेजन की वार्षिक निर्यात रिपोर्ट के विमोचन कार्यक्रम में कहा` कि जब हमने शुरुआत की थी, तो हमने 2025 तक छोटे एवं मझोले कारोबारों से होने वाले कुल निर्यात में 10 अरब डॉलर का लक्ष्य रखा था। साल 2020 में हमने इस लक्ष्य को दोगुना कर 20 अरब डॉलर कर दिया।

हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 2024 के अंत तक हम 13 अरब डॉलर का निर्यात कर चुके होंगे। उन्होंने कहा कि अमेजन को आठ अरब डॉलर (2015-2023) का निर्यात हासिल करने में लगभग आठ साल लगे और सिर्फ एक साल (2023-2024) में ही यह बढ़कर 13 अरब डॉलर होने वाला है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीनों में अमेजन के विक्रेता कार्यक्रम ने लगभग 50,000 नए विक्रेताओं को जोड़ा है और विक्रेताओं की कुल संख्या 1.50 लाख हो गई है।

उन्होंने कहा इन विक्रेताओं ने दुनिया भर के ग्राहकों को कुल मिलाकर 40 करोड़ से अधिक भारत-निर्मित उत्पाद बेचे हैं।

मुशीर खान की बेहतरीन पारी ने इन खिलाड़ियों का काम किया खराब

-भारत / बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में मिल सकता है मौका

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच खेली जाने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले दलीप ट्रॉफी में युवा मुशीर खान का बल्ला जमकर बोला है। बता दें कि, भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज टीम इंडिया का सेलेक्शन ट्रॉयल माना जा रहा है। कुछ खिलाड़ियों ने इस सेलेक्शन ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया तो कुछ ने बेहद निराश किया है। खासकर मुशीर खान और अक्षर पटेल ने गेंदबाजों को काफी परेशान किया। इंडिया बी की ओर से खेल रहे मुशीर खान ने 181 रन की पारी खेली और अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

19 वर्षीय मुशीर खान ने आकाशदीप, आवेश कान, खलील अहमद, कुलदीप यादव जैसे गेदंबाजों को पछाड़ दिया है। ये चारों ही गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के दावेदार हैं। लेकिन मुशीर खान ने अपने प्रदर्शन से इनकी दावेदारी पर प्रश्न चिह्न लगा दिया है।

मुशीर खान ने नवदीप सैनी के साथ तब 205 रन की साझेदारी की, जब इंडिया बी 94 रन पर 7 विकेट गंवा चुकी थी। इस साझेदारी ने जहां इंडिया बी को 300 रन के पार पहुंचाया, वहीं विरोधी गेंदबाजों की कलई खोल दी। इंडिया ए का बॉलिंग अटैक आकाश दीप, आवेश खान, खलील अहमद, कुलदीप यादव के जिम्मे था। ये चारों ही भारतीय टीम के लिए खेल चुके हैं, ऐसे में 56 ओवर तक एक भी विकेट ना गिरना गेंदबाजी पर सवाल उठना लाजमी है। वह भी तब जब एक छोर पर पुछल्ले बल्लेबाज नवदीप सैन थे।

हालांकि, कुलदीप यादव ने मुशीर खान को आउट कर इस खतरनाक साझेदारी को तोड़ा, लेकिन तब तक मुशीर और नवदीप सैन अपना काम कर चुके थे। कुलदीप ने मैच में 21 ओवर बॉलिंग की और सिर्फ एक विकेट ले सके। उन्होंने 3.90 की इकोनॉमी रेट से 82 रन लुटाए।

दिलीप ट्रॉफी में शुभमन टेप लगी जर्सी में दिखे

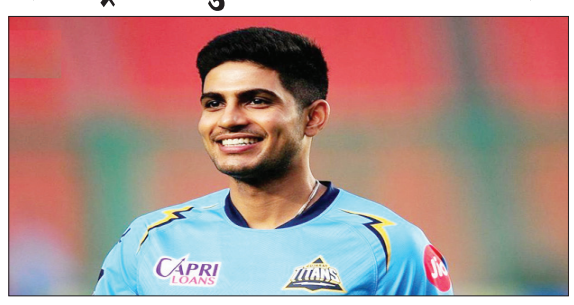

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी में इंडिया ए टीम की कप्तानी कर रहे शुभमन गिल इंडिया बी से मुकाबले के दौरान एक ऐसे जर्सी पहनकर उतरे जिसको देखकर सभी हैरान हो गये। इसका कारण है कि शुभमन की जर्सी पर पीठ की ओर एक बड़ा सा टेप लगा हुआ था। इससे देखकर अटकलें लगायी जाने लगीं कि ऐसा क्यों हैं। जर्सी पर टेप का कारण सामने नहीं आया है पर माना जा रहा है कि शुभमन ने जो जर्सी पहनी थी वह किसी अन्य की होगी। इसलिए उसपर टेप लगा दिया गया होगा।

शुभमन ल की जर्सी का नंबर 77 है। ऐसे में हो सकता है कि उनकी जर्सी का नंबर उपलब्ध ना हो। इसलिए उन्हें ऐसा करना पड़ा। इस बल्लेबाज ने अंडर 19 वर्ल्ड कप के दौरान कहा था कि वह शुरू में 7 नंबर की जर्सी पहनना चाहते थे पर ये उपलब्ध नहीं था इसलिए उन्हें मजबूरन इसे दोगुना करना पड़ा.

वहीं इस मैच में युवा मुशीर खान के नाबाद शतक से पहले दिन इंडिया बी ने 7 विकेट पर 202 रन तक बनाये। मुशीर ने 227 गेंद में नाबाद 105 रन बनाए जिसमें दस चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं नवदीप सैनी ने नाबाद 29 रन की पारी खेली. दोनों ने आठवें विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी करके टीम को संकट से निकाला जबकि एक समय भारत बी के 7 विकेट 94 रन पर गिर गए थे। मुशीर 14वें ओवर में अभिमन्यु ईश्वरन का विकेट गिरने के बाद मैदान पर उतरे थे। पहली बार दलीप ट्रॉफी खेल रहे मुशीर ने विकेट से मिल रही उछाल का बेहतर तरीके से सामना करते हुए संयम के साथ खेला। वह क्रिकेटर सरफराज खान के छोटे भाई हैं।

यशस्वी बोले, रोहित के साथ पारी शुरु करने से मेरी बल्लेबाजी बेहतर हुई

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के दौरान जो अनुभव उन्हें मिला है वह बेहद फायदेमंद रहा है। यशस्वी के अनुसार रोहित के साथ बल्लेबाज कर उन्हें ये समय आया है कि किस प्रकार विकेट और हालात को देखकर बल्लेबाजी में बदलाव किया जा सकता है। यशस्वी ने अब तक नौ टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान रोहित के साथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे हैं और दोनो के बीच ही कई अहम साझेदारियां भी हुई हैं। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, ''जब भी मैं उनके साथ बल्लेबाजी करने जाता हूं तो उसका अनुभव अलग तरीके का होता है। वह अपने अनुभव मेरे साथ साझा करते रहे हैं। जिस तरह से वह खेल को नियंत्रित करते हैं और विकेट को समझते हैं, उसे हमें सीखने को काफी कुछ मिलता है।''

साथ ही कहा, ''उनके साथ बल्लेबाजी करने पर अंदाजा होता है कि विकेट गिरने पर या तेज गेंदबाजी और स्पिनरों की अनुकूल पिच पर कैसे खेला जाता है। '' साथ ही कहा कि पिछले एक साल में मैंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी धयान दिया है। जिसे अब मुझ पता चल रहा है कि किस प्रकार से खेलना चाहिये जिससे हालातों के अनुसार अपने खेल को बदला जा सके। मुझे लगता है कि पिछले एक साल में ये मेरे लिए बहुत अहम रहा है। वहीं जब मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा था, तो मुझे कई चीजों के बारे में जानकारी नहीं थी।''

जायसवाल ने कहा, ''वहीं जब से मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू किया है तभी से मेरी संवाद और खेल को पढ़ने की समझ बेहतर हुई है। मैं इसी प्रकार आगे भी खेलना चाहता हूं। इस युवा खिलाड़ी ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों क पूरी सहायता करते। उन्होंने सभी से निडर होकर अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा है। इससे भी सबका मनोबल बढ़ा है। '' यशस्वी ने कहा कि उनका लक्ष्य बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद ऋषभ पंत ने टीम में बड़े बदलाव का किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में गौतम गंभीर का दौर श्रीलंका दौरे से शुरू हुआ। भारत ने टी20 सीरीज जीती, जबकि वनडे सीरीज हार गया। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम को लंबा ब्रेक मिला और अब वह 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। उस सीरीज से गंभीर की असली परीक्षा शुरू होगी। ऋषभ पंत आने वाले सालों में भारत की योजनाओं में अहम भूमिका निभाने जा रहे हैं। गंभीर और पंत दोनों ने ही दिल्ली की टीम के लिए राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेला है। एक इंटरव्यू में पंत ने गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट में आए बदलाव के बारे में बात की।

पंत से पूछा गया, 'गौतम गंभीर के नेतृत्व में सबसे बड़ा बदलाव क्या हो सकता है और यह भारतीय क्रिकेट को कैसे आगे ले जा सकता है?' पंत ने कहा, 'मुझे लगता है कि राहुल भाई एक इंसान और कोच के तौर पर बहुत संतुलित है। यह अच्छा और बुरा दोनों हो सकता है, क्योंकि क्रिकेट में सकारात्मकता हो सकती है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करे या नकारात्मकता पर और यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति किस पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है। गौती भाई (गंभीर) अधिक आक्रामक हैं, वह इस तथ्य के बारे में बहुत एकतरफा हैं कि आपको जीतना है। लेकिन आपको सही संतुलन खोजने और सुधार करने की आवश्यकता है। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे अच्छा हिस्सा है।' ऋषभ पंत ने

आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में बांग्लादेश को हल्के में न लेने की चेतावनी दी और प्रतियोगिता में आगे रहने के लिए भारत को खुद में सुधार करते रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। बांग्लादेश ने हाल ही में रावलपिंडी में पाकिस्तान को 2-0 से हराया, कानपुर जाने से पहले 19 सितंबर से चेन्नई में रोहित शर्मा की टीम का सामना करेगा। भारत अगले पांच महीनों में कुल 10 टेस्ट खेलेगा क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के बाद अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन टेस्ट मैच होंगे। पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी।

पंत ने कहा, 'पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे एशियाई देश एशियाई परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि वे विकेटों के आदी हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के रूप में, हम केवल अपने मानकों और हम कैसे सुधार कर सकते हैं, इस पर ध्यान केंद्रित करते हैं। विपक्ष चाहे जो भी हो, हम उसी तीव्रता के साथ खेलने का प्रयास करते हैं और हर दिन अपना 100 प्रतिशत देते हैं।'

पंत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टीमों के बीच अंतर कम होने के साथ किसी भी श्रृंखला को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'दबाव हमेशा रहेगा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप किसी भी श्रृंखला को हल्के में नहीं ले सकते। जीत और हार के बीच का अंतर बहुत कम होता है और आजकल अंतरराष्ट्रीय टीमों के बीच का अंतर भी बहुत अधिक नहीं है।' पंत ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट के लंबे सत्र से पहले दलीप ट्रॉफी में खेलने से खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण मैच अभ्यास मिलेगा जबकि घरेलू स्तर पर युवा क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय सितारों की मौजूदगी का फायदा मिलेगा।

प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद में एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड मेडल

पेरिस। टोक्यो खेलों के रजत पदक विजेता भारत के प्रवीण कुमार ने शुक्रवार को पेरिस पैरालिंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। नोएडा के 21 वर्षीय प्रवीण छोटे पैर के साथ पैदा हुए थे, ने छह-जंपर क्षेत्र में 2.08 मीटर की सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। यूएसए के डेरेक लोकिडेंट ने 2.06 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक जीता जबकि उज्बेकिस्तान के टेमुरबेक गियाज़ोव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 2.03 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। टी64 उन एथलीटों के लिए है जिनके एक निचले पैर में मामूली रूप से गति प्रभावित होती है या घुटने के नीचे एक या दोनों पैर नहीं होते।

नीलामी में जितनी भी रकम लगेगी खेलने को तैयार रहूंगा : रिंकू

मुम्बई । आक्रामक क्रिकेटर रिंकू सिंह ने कहा है कि आईपीएल के अगले सत्र के लिए होने वाली नीलामी में उनपर जितनी भी रकम फ्रेंचाइजी लगाएगी। उसमें वह खेलने को तैयार रहेंगे। रिंकू अभी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हैं। इसके लिए उन्हें केकेआर की ओर से 55 लाख रुपये मिलते हैं। रिंकू के अनुसार वह इस पैसे में खुश है। उसका मानना है कि इंसान को जितना भी मिले उसी में उसे खुश रहना चाहिए। वहीं माना जा रहा है कि रिंकू को अगर नीलामी में उतारा जाता है तो फ्रेंचाइजी उनपर करोड़ों की रकम लगा सकती हैं।

रिंकू की बात से साफ है कि वह आगे भी केकेआर के साथ बने रह सकते हैं क्योंकि उनके लिए पैसे से ज्यादा टीम अहम हैं। रिंकू ने कहा कि उन्हें पता है कि महज कुछ रुपये को हासिल करने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में उन्हें जो भी रकम मिलेगी, उससे वह खुश होंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि केकेआर टीम रिंकू को आपने पास बनाये रखेगी। रिंकू ने अब तक 46 आईपीएल मैच खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने 893 रन बनाये हैं। अभी वह यूपी टी20 लीग में मेरठ मावरिक्स टीम की कप्तानी कर रहे हैं। रिंकू की कप्तानी में उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। मेरठ मावरिक्स की टीम 7 में से छह मैच जीतकर 12 अंक लेकर अंतिम 4 में पहुंची है। अपनी टीम की ओर से अब तक उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।

रोनाल्डो ने हासिल की एक और बड़ी उपलब्धि, 900 गोल करने वाले पहले फुटबॉलर बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच बार के बैलन डी' ओर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्रोएशिया के खिलाफ पुर्तगाल के यूईएफए नेशंस लीग मैच के दौरान एक और उपलब्धि हासिल की। वह 900 करियर गोल करने वाले पहले पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी बन गए। पुर्तगाली सुपरस्टार ने मैच के 34वें मिनट में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके रिकॉर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया।

नूनो मेंडेस ने एक बेहतरीन क्रॉस लगाया जिसे रोनाल्डो ने क्रोएशियाई गोलकीपर लिवाकोविक के पास से गोल में पहुंचाकर गोल में पहुंचा दिया। 39 वर्षीय रोनाल्डो के गोल ने पुर्तगाल को अपनी बढ़त दोगुनी करने और मैच जीतने में भी मदद की। हाल ही में संपन्न यूरो कप में अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद फुटबॉल पंडितों ने रोनाल्डो की आलोचना की थी, जहां वह टूर्नामेंट में पांच मैच खेलने के बाद भी एक भी गोल करने में विफल रहे थे।

रोनाल्डो के शानदार करियर की शुरुआत स्पोर्टिंग सीपी से हुई, जिसके साथ उन्होंने 28

मैच खेलने के बाद चार गोल किए। 2003 में, मैनचेस्टर यूनाइटेड के दिग्गज मैनेजर सर एलेक्स फर्ग्यूसन उन्हें इंग्लैंड ले आए। उन्होंने मैनचेस्टर स्थित क्लब में छह साल बिताए और 145 गोल किए। पुर्तगाल के कप्तान के करियर ने 2009 में रियल मैड्रिड में शामिल होने पर एक बड़ा मोड़ लिया। रोनाल्डो ने लॉस ब्लैंकोस के साथ गोल करने वाली मशीन के रूप में काम किया और उनके साथ चार यूईएफए चैंपियंस लीग, तीन फीफा क्लब विश्व कप, दो ला लीगा और कई अन्य प्रमुख ट्रॉफियां जीतीं।

रियल मैड्रिड के साथ अपने 9 साल के कार्यकाल के दौरान रोनाल्डो ने 450 गोल किए और लॉस ब्लैंकोस के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी का मुकाम भी हासिल किया। वह 2018 में ट्यूरिन स्थित क्लब जुवेंटस में शामिल हुए और उनके लिए 101 गोल किए। जुवेंटस के साथ चार साल बिताने के बाद रोनाल्डो अपने बचपन के क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में लौट आए और अल नासर में जाने से पहले प्रीमियर लीग में दो साल बिताए। उन्होंने रेड डेविल्स के साथ अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान 29 गोल किए।

रोनाल्डो 2022 में अल नासर में शामिल हुए और अब तक 74 मैच खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने अपने मौजूदा क्लब के लिए 68 गोल किए हैं। सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो ने अल नासर के साथ दो मैच खेले हैं और दो गोल किए हैं। इस बीच रोनाल्डो ने अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए 131 गोल किए हैं। उन्हें अब तक के सबसे महान फुटबॉलरों में से एक माना जाता है। अपने शानदार करियर में उन्होंने फीफा विश्व कप के अलावा हर बड़ी ट्रॉफी हासिल की है। 39 साल की उम्र पार करने के बाद भी पुर्तगाली स्टार अभी भी अपने क्लब और राष्ट्रीय टीम के लिए योगदान दे रहे हैं।

बैलन डी पुरस्कार के लिए चयनित 30 खिलाड़ियों में रोनाल्डो और मेसी शामिल नहीं

पेरिस। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में शीर्ष स्तर के प्रदर्शन के लिए दिये जोन वाले बैलन डी ओर पुरस्कार 2024 के लिए 30 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है। हैरानी की बात है कि इसमे पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम शामिल नहीं हैं। मेसी ने अब तक सबसे अधिक आठ बार ये पुरस्कार जीता है। मेसी को पिछले साल आठवीं बार ये पुरस्कार मिला था। वहीं रोनाल्डो को ये पुरस्कार पांच बार मिला है। साल 2008 से 2017 के बीच 10 साल तक ये पुरस्कार मेसी या रोनाल्डो को मिला है। वहीं साल 2018 में ये पुरस्कार क्रोशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने जीता था। फ्रांस फुटबॉल टीम ने साल 2024 के लिए जो नाम दिये हैं उसमें स्टार फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे, जूड बेलिंगहैम, विनीसियस जूनियर जैसे नाम शामिल हैं। वहीं पिछले सत्र में चैंपियंस लीग और ला लीगा जीतने वाले रियल मैड्रिड के सबसे अधिक खिलाड़ी इस सूची में शामिल थे। इस बार यूरो कप जीतने वाली स्पेनिश टीम के 6 खिलाड़ियों यमल, विलियम्स और ओल्मो के अलावा रॉड्री, एजेजांद्रो ग्रिमाल्डो और दानी कार्वाजल को अंतिम 30 में जगह मिली है।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में पूरी ताकत से उतरेगी भारतीय टीम : ऋषभ

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह होने वाली सीरीज में उनकी टीम पूरी गंभीरता से उतरेगी। ऋषभ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसलिए हमारा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को 2-0 से टेस्ट सीरीज में हराया है। इससे भी उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट खेलेगी। भारतीय टीम अगले पांच महीनों में कुल 10 टेस्ट खेलेगी। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम को अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। वहीं टीम साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जहां उसे पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेलनी है। ऋषभ ने कहा, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी टीमें एशियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन करती हैं क्योंकि उनको इसका अंदाजा होता है। इसलिए हमें अपने प्रदर्शन का स्तर ऊपर रखना होगा। हमें केवल अपेन खेल पर ध्यान देते हुए बाकि बातों को भूल जाना होगा। विरोधी टीम कोई भी हो हमें अपनी ओर से पूरी ताकत लगानी होगी।

महान ऑलराउंडर सोबर्स के लिए डेब्यू एकदिवसीय ही साबित हुआ अंतिम मैच

जमैका । वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटरों में से एक सर गारफील्ड सोबर्स को विश्व का नंबर एक ऑलराउंडर माना जाता है। गैरी सोबर्स के नाम से लोकप्रिय रहे इस ऑलराउंडर के नाम टेस्ट में 8000 और 200 से ज्यादा टेस्ट विकेट हैं पर वह एक दिवसीय में एक रन भी नहीं बना पाये हैं। सोबर्स ने अपने एकदिवसीय करियर की शुरुआत सितंबर 1973 में की थी पर ये ही उनका अंतिम मैच भी साबित हुआ। सोबर्स ने अपने करियर में 93 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने इन मैचों में 57.78 की औसत से 8032 रन बनाए और 235 विकेट भी लिए। दुनिया में ऐसा एक भी क्रिकेटर नहीं, जिसने 200 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हों और 50 से अधिक की औसत से 8000 से ज्यादा रन बनाए हों पर हैरानी की बात है कि वह एकदिवसीय में खाता तक नहीं खोल पाये। सोबर्स उस डेब्यू मैच एक विकेट ही ले पाये। वेस्टइंडीज वह मैच एक विकेट से हार गया। वेस्टइंडीज ने लीड्स में खेले गए इस मुकाबले में 54 ओवर में 181 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड ने 54.3 ओवर में 9 विकेट पर 182 रन बनाये। सोबर्स इस मैच के बाद टेस्ट मैच तो खेलते रहे, लेकिन एकदिवसीय में दोबारा कभी मैदान पर नहीं उतरे। सोबर्स ने साल 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ 365 रन की नाबाद पारी खेली थी। ये टेस्ट क्रिकेट में किसी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर था।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने 14 सीरीज की बैठकों के समापन के बाद समग्र स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहने के बाद ब्रसेल्स में डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सीजन का समापन 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम से होगा। डायमंड लीग के 2022 संस्करण को जीतने वाले भारतीय ने दोहा और लुसाने में श्रृंखला की दो बैठकों में भाग लिया और अपने दूसरे स्थान से 14 अंक अर्जित किए।

उन्होंने गुरुवार को मीट के ज्यूरिख लेग से बाहर रहने का विकल्प चुना। नीरज तीसरे स्थान पर रहने वाले चेकिया के जैकब वडलेच से दो अंक पीछे हैं। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मन स्टार जूलियन वेबर क्रमशः 29 और 21 अंकों के साथ पहले दो स्थान पर हैं। 26 वर्षीय दो ओलंपिक पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट बन गए।

इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया था। पेरिस ओलंपिक में नीरज कमर की चोट से जूझ रहे थे, जिसके कारण वह 90 मीटर का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे। नीरज ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर के थ्रो के साथ लुसाने डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया। पीटर्स ने 90.61 मीटर के अंतिम थ्रो के साथ और जर्मनी के जूलियन वेबर ने 88.37 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ क्रमशः पहला और तीसरा स्थान हासिल किया। पेरिस में चोपड़ा ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया जो टोक्यो में उन्हें स्वर्ण पदक दिलाने वाले 87.58 मीटर से स्पष्ट सुधार था, लेकिन यह मौजूदा विश्व चैंपियन और डायमंड लीग फाइनल विजेता के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ क्योंकि खेल में उनके अच्छे दोस्त पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के विशाल थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतने का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाकर उन्हें पछाड़ दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत= 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेट को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत:, इन सबस्ट्रेट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सब्ट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठ्यमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन= स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन=जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण =फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां =देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण = फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी = ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण =घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा = ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण = क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण =मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत=जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

भारत नैरेटिव से बाहर निकले और दोनों मुल्कों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए करे काम: यूनुस

ढाका ।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां अल्पसंख्यकों पर हिंसा के मामले बढ़ गए हैं। इस बीच देश की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंसा की तुलना अफगानिस्तान से करने पर प्रतिक्रिया दी है।यूनुस ने उन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भारत को अपने इस नैरेटिव से बाहर निकलना पड़ेगा और दोनों मुल्कों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की दिशा में काम करना होगा। बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले सांप्रदायिक से ज्यादा राजनीतिक है। उन्होंने कहा कि ये हमले राजनीतिक हैं ना कि सांप्रदायिक। भारत व्यापक स्तर पर इन घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहा है। हमने ये नहीं कहा कि हम इस पर कुछ नहीं कर सकते। हमने कहा है कि हम पूरी कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से पूर्व पीएम शेख हसीना भारत में हैं। इस बीच शेख हसीना को लेकर मोहम्मद यूनुस ने कहा कि शेख हसीना भारत में बैठकर बांग्लादेश को लेकर राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं, जो सही नहीं है। उन्हें दोनों मुल्कों के बीच सौहार्द को बनाए रखने के लिए मुंह पर ताला लगाकर बैठना होगा। हम भारत सरकार से उनके प्रत्यर्पण का अनुरोध करेंगे।

मोहम्मद यूनुस ने ढाका में एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि बांग्लादेश, भारत के साथ मजबूत संबंधों को तरजीह देता है। भारत को भी उस नैरेटिव से ऊपर उठकर देखना होगा, जिसमें वह अवामी लीग को छोड़कर बांग्लादेश की अन्य पार्टियों को इस्लामिक पार्टियों के तौर पर देखता है। भारत सोचता है कि शेख हसीना के बिना बांग्लादेश एक तरह से अफगानिस्तान में तब्दील हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम भारत में शेख हसीना के रुख से सहज नहीं है. हम उनका जल्द से जल्द प्रत्यर्पण चाहते हैं ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। अगर वह भारत में चुपचाप बैठती तो हम उन्हें भूल चुके होते। बांग्लादेश के लोग भी उन्हें भुला चुके होते लेकिन भारत में बैठकर वह

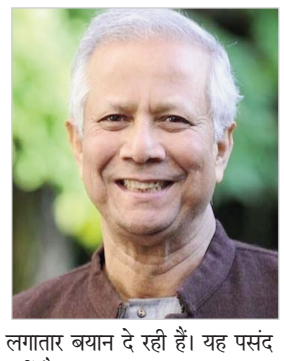

लगातार बयान दे रही हैं। यह पसंद नहीं है।

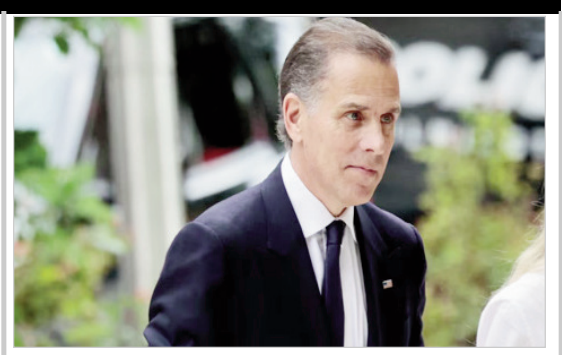

हंटर ने टैक्स चोरी के आरोप किए स्वीकार

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। पिछले काफी समय से हंटर कानूनी पचड़ों में फंसे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे पर कई मामले चल रहे हैं। इनमें से एक टैक्स फ्रॉड का मामला भी है। हंटर पर टैक्स चोरी का आरोप है और यह आरोप फेडरल लेवल पर है और कोर्ट के डॉक्यूमेंट से भी इसके प्रमाण मिलते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे पर टैक्स चोरी के 9 मामले हैं। टैक्स चोरी के इन मामलों में अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जिससे हंटर को जेल की सजा भी हो सकती है।

पूर्व ब्रेक्जिट वार्ताकार मिशेल बार्नियर फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त

पेरिस ।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूरोपीय संघ के पूर्व ब्रेक्जिट वार्ताकार मिशेल बार्नियर को फ्रांस का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया। मैक्रों ने 50 से ज्यादा दिनों से चल रही कार्यवाहक सरकार के बाद नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा की। मैक्रों और उनके सहयोगियों द्वारा कई हफ्तों तक किए गए गहन प्रयासों के बाद बार्नियर की नियुक्ति की गई है। मैकों ने उन्हें फ्रांस को एकीकृत करने और अनिर्णायक चुनाव के बाद पैदा हुए राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने का काम सौंपा है।

मैक्रों के कार्यालय ने बार्नियर की नियुक्ति की घोषणा कर बयान जारी कर कहा कि उन्हें देश और फ्रांसीसी लोगों की सेवा के लिए एक एकीकृत सरकार बनाने का काम सौंपा गया है। राष्ट्रपति ने अपने संवैधानिक कर्तव्य के तहत अप्रत्याशित विचार विमर्श के बाद सुनिश्चित किया है कि प्रधानमंत्री और भावी सरकार जहां तक संभव हो सके, स्थिर रहें।

बार्नियर फ्रांस के अल्पाइन क्षेत्र हाउते-सावोई से आते हैं और अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं। वे यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के अलग होने को लेकर चली बातचीत में मुख्य वार्ताकार थे। बार्नियर पहली बार 27 वर्ष की उम्र में सांसद बने थे, और बाद में उन्होंने विदेश मंत्री और कृषि मंत्री सहित कई फ्रांसीसी सरकारों में भूमिकाएं निभाईं, हालांकि वे 15 वर्षों से फ्रांस की राजानीति से दूर हैं। उन्होंने अपना अधिकांश समय ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के मुख्यालय में बिताया है।73 वर्षीय बार्नियर फ्रांस के आधुनिक राजनीतिक इतिहास में सबसे बुजुर्ग प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने गेब्रियल एटल का स्थान लिया है, जो सबसे युवा थे।

एटल ने 16 जुलाई को चुनावों में त्रिशंकु संसद आने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था।

चुनाव में किसी भी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के बाद मैक्रों को उन्हें नियुक्त करने में दो महीने लग गए।

दक्षिण कोरिया में जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किसीडा और उनकी पत्नी यूको किसीडा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते हुए।

कोई भी देश जो रुस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराएगा हम उसका स्वागत करेंगः अमेरिका

वाशिंगटन,। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा है कि अमेरिका ऐसे किसी भी देश का स्वागत करता है जो यूक्रेन में संघर्ष को खत्म करने में मदद करने का प्रयास करना चाहता है। भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी ने हाल में रूस की यात्रा के बाद यूक्रेन की यात्रा की थी। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी से फोन पर बात की। किर्बी से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि भारत युद्ध को खत्म करा सकता है।इस सवाल पर किर्बी ने कहा कि ऐसा कोई भी देश जो इस युद्ध को खत्म करने में मदद करने के लिए तैयार है और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और लोगों के विशेषाधिकारों, न्यायपूर्ण शांति स्थापना की उनकी योजना को ध्यान में रखते हुए ऐसा करता है तो हम उसकी भूमिका स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत से हम निश्चित रूप से ऐसी उम्मीद करते हैं। बाइडन ने फोन पर बातचीत के दौरान पीएम मोदी की पोलैंड और यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्राओं के लिए मोदी की सराहना की, जो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। उन्होंने यूक्रेन में शांति स्थापना और मानवीय मदद के उनके संदेश की भी सराहना की।

हॉस्टल में आग, 17 बहॉस्टल में आग, 17 बच्चों की मौतच्चों की मौत

न्येरी काउंटी । केन्या के एक प्राइमरी स्कूल के हॉस्टल में भीषण आग लग गई, जिसमें 17 स्टूडेंट्स की मौत हो गई और 14 छात्र घायल हो गए। ये हादसा केन्या के न्येरी काउंटी में के स्कूल के छात्रावास में हुआ। इस स्कूल का नाम हिलसाइड एंडराशा प्राइमरी स्कूल है। रिपोर्ट के मुताबिक अभी मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। इस मामले की जांच करने वाले पुलिस प्रवक्ता रेसिला ओन्यांगो ने कहा कि आग कैसे लगी इस बात की जांच जारी है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

पुतिन के विदेश मंत्री की चेतावनी.... यूक्रेन पर रेड लाइन पार ना करे अमेरिका

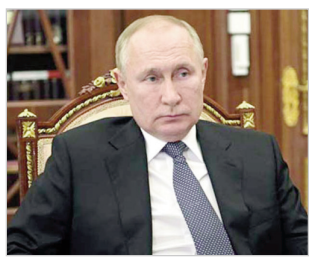

मॉस्को ।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को चेतावनी देकर कहा कि वे यूक्रेन युद्ध में लाल रेखा को पार न करे।

रूसी विदेश मंत्री ने दो टूक कहा कि वॉशिंगटन मॉस्को के साथ आपसी संयम की भावना खोने लगा है।

लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति पर अपनी खुद की रेड लाइन को पार कर लिया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें (अमेरिका) समझना चाहिए कि हमारी रेड लाइन मजाक बनाने के लिए नहीं है। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि वे कहां हैं।

लावरोव ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन को हथियार उपलब्ध कराने के संभावित परिणामों को वॉशिंगटन समझेगा। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि वहां महत्वपूर्ण प्रभाव वाले उचित लोग बचे हुए हैं और मुझे उम्मीद है कि अमेरिका के हितों को ध्यान में रखा जाएगा। इस बीच अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा है कि अमेरिका किसी भी देश का स्वागत करता है जो यूक्रेन में संघर्ष समाप्त करने में मदद करने के लिए तैयार है।

दरअसल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहली बार यूक्रेन में शांति का संकेत दिया है। उन्होंने भारत का नाम उन तीन देशों में लिया, जो यूक्रेन में संघर्ष रोकने को लेकर गंभीर है।

पुतिन ने भारत के अलावा ब्राजील और चीन का जिक्र कर कहा कि यूक्रेन के मामले पर वह अपने इन दोस्तों के साथ संपर्क में हैं।

पुतिन ने कहा, हम अपने मित्रों और भागीदारों का सम्मान करते हैं जो इस संघर्ष से जुड़े मुद्दों को ईमानदारी से हल करना चाहते है। मुख्य रूप से भारत, चीन और ब्राजील।

मैं इस मुद्दे पर अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हूं।

एअर इंडिया के विमान ने मास्को में की इमरजेंसी लैंडिंग

मास्को । दिल्ली से बर्मिंघम जा रहे एअर इंडिया के विमान में अचानक तकनीकी खराबी आने से मॉस्को में इमरजेंसी लैंडिग करानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि पूरी तरह जांच होने के बाद विमान ने मॉस्को से उड़ान भरी और गुरुवार सुबह बर्मिंघम में सही सलामत उतरा गया। विमानन कंपनी एअर इंडिया ने इस पर अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। अधिकारी ने बताया कि अचानक संदिग्ध तकनीकी समस्याओं के कारण एअर इंडिया के विमान को मॉस्को के शेरेमेत्येवो हवाई अड्डे पर उतारा गया। जांच के बाद विमान बर्मिंघम के लिए रवाना किया गया। विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

जापान में टायफोन मिसाइल लांचर तैनात कर रहा अमेरिका....लाल हुआ चीन

टोक्यो ।

अमेरिका ने चीन पर नकेल कसना शुरु कर दिया है। अमेरिका ने जापान से इच्छा जाहिर की है कि वह अपनी मध्े यम दूरी तक मार करने वाली मिसाइल को सैन्े य अभ्े यास के लिए तैनात करना चाहता है। एक वरिष्े ठ अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि इन मिसाइलों की तैनाती से चीन के खिलाफ प्रर्ति रोधक क्षमता बढ़ेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका टायफोन मिसाइल लांचर को तैनात करना चाहता है, इसकी मदद से जमीन से परमाणु बम दागने वाली टॉमहाक क्रूज मिसाइल को दागा जा सकता है। टॉमहाक मिसाइल करीब 1600 किमी तक भीषण हमला करने में सक्षम है। अमेरिका इस मिसाइल का इस्तेमाल कई देशों में कर चुका है।इंटरमीडिएट न्यूक्लियर फोर्स ट्रीटी के तहत जमीन से हमला करने वाली ऐसी मिसाइलें जिनकी रेंज 500 किमी से लेकर 5500 किमी तक है, उन्े हें बैन किया गया है। अमेरिका साल 2019 में इस संधि से हट गया था। अमेरिका ने फर्ो लीपींस के साथ सैन्े य अभ्यास के दौरान भी टायफोन सिस्टम को तैनात किया था। अमेरिका के इस कदम से चीन बौखलाया और अमेरिका की इस कार्रवाई को उकसावे का कदम बताया था। यह मिसाइल सिस्े टम कई महीने तक फिलीपींस में तैनात रहा। यह सिस्े टम अप्रैल में फिलीपींस पहुंचा और मनीला सरकार का कहना है कि टायफोन को सितंबर में हटाया जाएगा। इसका मतलब है कि टायफोन सिस्टम अभी भी फिलीपींस में मौजूद है।रिपोर्ट के मुताबिक फिलीपींस ने कहा कि चीन ने टायफोन सिस्े टम की तैनाती पर बहुत नाटकीय चिंता जाहिर की है। चीनी रक्षा मंत्रालय की प्रवक्े ता वू किआन ने कहा था कि अमेरिका के सिस्े टम की तैनाती से पूरा इलाका तनाव में है और गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी सेना सचिव क्रिस्टिन वोरमुथ ने जापानी अधिकारियों से कहा कि अमेरिका टायफोन सिस्े टम को अब जापान में तैनात करना चाहता है। उन्होंने कहा, हमने इसके बारे में जापानी सेना के साथ अपनी इच्छा जता दी है।वोरमुथ ने कहा कि अमेरिका सिस्े टम को कई महीने तक जापान में तैनात करना चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में सेना

के पास विश्े वसनीय युद्धक क्षमता रहे। इस मिसाइल को लेकर चीन में काफी प्रतिक्रिया है। उन्े होंने कहा कि जापान के दक्षिण पश्चिमी द्वीपों के पास बड़ी तादाद में अमेरिकी सैनिकों और हथियारों को तैनात करने की क्षमता है, जो ताइवान के काफी करीब है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका चीन के पास प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर रहा है लेकिन इससे तनाव और बढ़ रहा है।

अमेरिका ने रुस के खिलाफ अभियोग में कई अन्य को किया शामिल

वाशिंगटन । अमेरिकी न्याय विभाग ने तथाकथित 'व्हिसपरगेट' मैलवेयर हमले के जरिए यूक्रेन और अमेरिका समेत नाटो के 26 सहयोगियों के कंप्यूटर प्रणाली को खत्म करने के लिए रुस के खिलाफ लगाए गए अभियोग में कई अन्यों को भी शामिल कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने अभियोग में रूसी सेना के पांच खुफिया अधिकारियों को प्रतिवादी के रूप में शामिल किया है। पिछले अभियोग में एक रूसी नागरिक अमीन तिमोविच स्टिगल का नाम था।एक अधिकारी ने कहा कि जनवरी 2022 में हुए 'व्हिस्परगेट' मैलवेयर हमले को यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का पहला प्रयास माना जा सकता है। 'व्हिस्परगेट' मैलवेयर हमले से अमेरिकी कंपनियां भी प्रभावित हुई थीं। अमेरिकी सरकार ने प्रतिवादियों की गिरफ्तारी में मदद करने वाले लोगों को छह करोड़ अमेरिकी डॉलर का इनाम देने का ऐलान किया है।

लंदन में ऊंची इमारत में लगी आग, कई लोग फंसे

क्षेत्र में छाया धुएं का गुबार, फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी

लंदन । लंदन के कैटफोर्ड में एक टावर ब्लॉक में आग लग गई, जो कई मंजिलों तक पहुंच गई, जिसके बाद आसमान काले धुएं के गुबार से भर गया। हर तरफ अंधेरा नजर आ रहा था। आग नौवीं और दसवीं मंजिल के फ्लैट्स पर पूरी तरह फैल गई। 70 फायरफाइटर्स और 10 फायर गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने में जुट गई। क्षेत्र के लोगों से अपील की गई कि वे आग वाले क्षेत्र से दूर रहें।वीडियो फुटेज में दिखा रहा है कि फ्लैट की खिड़की से आग की लपटें निकल रही हैं और काले धुएं का गुबार आसमान में छा गया। स्थानीय निवासियों ने सोशल मीडिया पर आग की तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। एक पोस्ट में लिखा कि कैटफोर्ड में फ्लैट्स में आग लगी है और लोग बिल्डिंग में फंसे हुए हैं। फायर ब्रिगेड बचाव कार्य में लगी हुई है। अभी तक साफ नहीं हो पाया है कि इस आग में कोई जनहानि हुई या नहीं। फायर ब्रिगेड की टीम सक्रिय है और आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

हाईस्कूल में गोलीबारी मामले में नाबालिग पर लगा हत्या का आरोप, जांच जारी

वाशिंगटन ।

अमेरिका में एक हाईस्कूल में चार लोगों की गोली मारकर हत्या करने के मामले में 14 साल के एक लड़के पर आरोप लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। दक्षिणी राज्य जॉर्जिया के अपालाची हाईस्कूल में विगत बुधवार को दो बच्चों और दो शिक्षकों की हत्या करने के बाद नाबालिग लड़के पर चार गंभीर हत्या के आरोप लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट में अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि गोलीबारी में इस्तेमाल की गई बंदूक नाबालिग के पिता ने खरीदी थी।रिपोर्ट में बताया गया है जॉर्जिया ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने कहा कि संदिग्ध कोल्ट ग्रे पर वयस्क के रूप में आरोप लगाए जाएंगे। उसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया और उसके खिलाफ अतिरिक्त आरोप लगाए जाएंगे। अपालाची हाईस्कूल में गोलीबारी की जांच अभी भी जारी है। अमेरिका में स्कूल में गोलीबारी एक चौंकाने वाली नियमित घटना है, जहां बंदूकें लोगों से ज्यादा हैं और शक्तिशाली सैन्य शैली की राइफलें खरीदने पर नियम भी लचीले हैं। हाल के महीनों में सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं, विशेषकर नाबालिगों द्वारा की गई गोलीबारी के मामले में माता-पिता की जिम्मेदारी सुर्खियों में है। राष्ट्रपति जो

बाइडेन ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा था कि आपके घर में एक असॉल्ट राइफल, एक हथियार कैसे हो सकता है? यदि माता-पिता अपने बच्चों को इन बंदूकों तक पहुंच देते हैं तो आपको उन्हें जवाबदेह बनाना होगा।

चीन में फिर तूफान की दशहत....हैनान के शहरों को ठप्प कर दिया

बीजिंग ।

चीन में फिर तूफान आने वाला है। इस साल के सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक चीन के हॉलिडे आइलैंड हैनान में टकराने वाला है। तूफान से बाहरी बैंड ने हांगकांग और दक्षिणी चीन के कुछ हिस्से की प्रभावित होने की संभावना है।रिपोर्ट के अनुसार तूफान यागी अब तक का दुनिया का दूसरा सबसे शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात, केवल अटलांटिक तूफान बेरिल से ही पीछे है जो श्रेणी 5 का था। वैज्ञानिकों ने पाया है कि मानव-जनित जलवायु संकट के कारण गर्म होते महासागर तूफानों को और अधिक तेजी से तीव्र कर रहे हैं। सिर्फ दो दिन पहले यागी एक उष्णकटिबंधीय तूफान था जिसकी अधिकतम हवाएं 90 किलोमीटर प्रति घंटे (60 मील प्रति घंटे) की थीं, लेकिन इसने दक्षिण चीन सागर के गर्म पानी पर तेजी से ताकत हासिल की। रपोर्ट के अनुसार हैनान मौसम सेवा का पूर्वानुमान है कि यह टाइफून हैनान के किंघई से पड़ोसी ग्वांगडोंग प्रांत के डियानबाई तक जमीन से टकराएगा। टाइफून यह पिछले 10 वर्षों में हैनान में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान हो सकता है। टाइफून, जिसकी अधिकतम हवाओं की गति 210 किमी प्रति घंटे है, शुक्रवार सुबह हांगकांग से लगभग 300 किमी दक्षिण-पश्चिम से होकर गुजरेगा। क्योंकि टाइफून यागी एक दशक में इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान बन सकता है। दक्षिणी चीन में हैनान के उत्तरी सिरे के पास इसके पहुंचने की उम्मीद है, उसके बाद यह गुआंगडोंग प्रांत से होते हुए अंतर्देशीय क्षेत्र में पहुंचेगा, जिससे भारी बारिश और तटीय बाढ़ आएगी। आने वाले सुपर टाइफून ने हैनान के शहरों को ठप्प कर दिया है, स्कूल, व्यवसाय, रेस्टोरेंट और समुद्र तट बंद हो गए हैं और सार्वजनिक परिवहन, ट्रेनें और उड़ानें रोक दी गई हैं। हैनान के निवासियों ने द्वीप पर एक तीव्र तूफान की फुटेज साझा की, जिसमें बैंगनी रात के आसमान में बिजली चमक रही थी

वीडियो में ऊंची लहरें तट पर टकराती हुई दिखाई दे रही हैं, जो ताड़ के पेड़ों की कतारों को तोड़ रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नालालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल का कठोर कारवास, 32 हजार जुर्माना भी

खेडा। नडियाद सेशन कोर्ट ने 13 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास के साथ ही 32 हजार रुपए का जुर्माने का आदेश दिया है। दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामलों के पीड़ितों को अब त्वरित न्याय मिलने लगा है। राज्य गृह विभाग, सरकार और पुलिस की इच्छाशक्ति से यह संभव हो रहा है। ताजा घटना खेड़ा जिले के कपड़वंज तहसील की है, जिसमें कोर्ट ने आरोपी को जुर्माना के साथ ही कड़ी सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक खेड़ा जिले के कपडवंज में रहने वाले आरोपी संजय राठौड़ ने 13 साल की नाबालिग के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे और उसके बाद उसे बदनाम करने की धमकी देकर उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। दुष्कर्म की शिकार नाबालिग लड़की गर्भवती हो गई। जिसके बाद पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी संजय के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। नडियाद सेशन कोर्ट ने तमाम गवाहों और दस्तावेजी सबूतों के आधार पर आरोपी संजय राठौड़ को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही रु. 32 हजार का जुर्माना भी लगाया है। गौरतलब है कि राज्य में महिला सुरक्षा को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। हाल ही में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने भी रेप और रंगदारी के आरोपियों को कड़ी सजा देने और पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था, जो जमीन पर दिखने लगा है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, बद्रीनाथ हाईवे बंद, राजस्थान में बारिश का 13 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 18 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर आज सुबह लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ का आधा हिस्सा टूटकर सडक़ पर गिर गया। दोनों तरफ गाडियों की लंबी कतारें लगी हैं। राजस्थान में बारिश के 13 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। इस मानसून सीजन, 1 जून से 5 सितंबर तक औसत 607.5 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि पूरे सीजन में 435.6 मिमी बारिश होती है। इससे कई डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। इधर मध्य प्रदेश में 1 जून से 5 सितंबर तक 904.9 मिमी बारिश हुई। यह सालाना मानसून औसत से 10 प्रतिशत ज्यादा है। राज्य में सामान्य रूप से 823.9 मिमी बारिश होती है। आंध्र प्रदेश में पिछले हफ्ते से लगातार भारी बारिश की वजह से कई जिलों में बाढ़ है। विजयवाड़ा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां सडक़ें और घर डूब गए हैं। राज्य में अब तक 17 लोगों की मौत हुई है। 6 लाख से ज्यादा लोगों को घर छोडऩा पड़ा है। बाढ़ के कारण 3,973 किमी सडक़ें प्रभावित हुई हैं। केंद्र ने एनडीआरएफ की 30 टीमें और हेलिकॉप्टर तैनात किए हैं। सेना की भी मदद ली जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट से डॉ. संदीप घोष को झटका... घोष बाबू के खिलाफ जांच करे सीबीआई

नई दिल्ली । कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने घोष के कार्यकाल में वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच के हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से साफ मना कर दिया है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को जांच करने की मंजूरी भी दे दी है। दरअसल हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ घोष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। 24 अगस्त को कोलकाता हाई कोर्ट ने वित्तीय अनियमितताओं की एसआईटी से लेकर सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। घोष के खिलाफ आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक डॉ. अख्तर अली ने वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें अस्पताल में शवों की तस्करी, बायो-मेडिकल कचरे में भ्रष्टाचार, निर्माण निविदाओं में भाई-भतीजावाद आदि जैसे आरोप लगाए गए थे। इसकी जांच पहले कोलकाता पुलिस को सौंपी गई थी। 19 अगस्त को संदीप घोष के खिलाफ पुलिस ने आईपीसी की धारा 120बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत केस दर्ज किया था।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अमेरिका रवाना, सपनों के भारत पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को अमेरिका रवाना हो गए हैं जहां वह भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात करेंगे। व्यापारिक और शैक्षणिक नेताओं से मिलने और अन्य गतिविधियों में भी शामिल होंगे। दिल्ली हवाई अड्डे पर राहुल गांधी शुक्रवार तड़के अमेरिका के लिए रवाना हो गए। जब मीडिया ने उनकी यात्रा के बारे में पूछा, तो उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह यात्रा जून में लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी की पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा है। आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने प्रभावशाली वापसी करते हुए 99 सीटें जीतीं। इस जीत का श्रेय व्यापक रूप से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा श्रृंखला को दिया गया, जिससे पार्टी को अपने जमीनी स्तर पर संपर्क मजबूत करने में मदद मिली। 8 और 9 सितंबर को राहुल गांधी टेक्सास और वाशिंगटन डीसी में भारतीय प्रवासियों से मुलाकात करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट के जरिए लोगों को इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करने के लिए आमंत्रित किया। संगठन की वेबसाइट के मुताबिक टेक्सास की बैठक डलास में टोयोटा म्यूजिक फैक्ट्री में होगी। वाशिंगटन डीसी कार्यक्रम सोमवार को शाम को डलेस हवाई अड्डे के पास हिल्टन वाशिंगटन डलेस में आयोजित किया जाएगा। राहुल गांधी की यात्रा के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि राहुल गांधी से अपने सपनों के भारत पर चर्चा करने की उम्मीद है।

इस साल लालबागचा राजा पहनेंगे 20 किलो सोने का मुकुट

-मुकेश अंबानी के बेटे अनंत ने किया दान, दर्शन करने आते हैं सेलिब्रिटीज

मुंबई। मुंबई के लालबागचा राजा का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा पहला लुक शुक्रवार शाम सामने आएगा। मैहरुन रंग की पोशाक पहने और आभूषणों से सजे बप्पा के दर्शन करने भक्तों को आश्चर्यचकित कर दिया। इस साल के लालबागचा राजा का मुख्य आकर्षण 15 करोड़ रुपए कीमत का 20 किलो का सोने का मुकुट है, जिसे सबसे रईस मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा दान किया गया है। अनंत अंबानी पिछले 15 सालों से लालबागचा राजा समिति से जुड़े हुए हैं। उन्हें गणेशोत्सव के दौरान लालबागचा राजा के कई कार्यक्रमों में शिरकत लेते देखा है। इसके अलावा वह हर साल गिरगांव चौपाटी बीच पर मूर्ति विसर्जन समारोह में शामिल होते हैं। रिलायंस फाउंडेशन के जरिए अंबानी परिवार ने लालबागचा राजा समिति को कई स्वास्थ्य संबंधी पहलों में भी मदद दी है। लालबागचा राजा को लालबाग के राजा के नाम से भारत की वित्तीय राजधानी में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला गणेश मंडल है। एक आम आदमी से लेकर एक सेलिब्रिटी तक, लाखों मुंबई में रहने वाले इस प्रतिष्ठित गणेश मूर्ति की एक झलक पाने के लिए हर साल लालबाग की लंबी कतारों में खड़े नजर आते हैं। सात सितंबर से शुरू होने वाला गणपति उत्सव महाराष्ट्र में एक प्रमुख उत्सव है। गणेशोत्सव दस दिनों तक हर्षोल्लासपूर्ण उत्सवों, विस्तृत अनुष्ठानों तक चलता है और विसर्जन के साथ समाप्त होता है।

शांति बनाए रखने के वास्ते... सेना को जंग के लिए तैयार रहना होगा : राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य अधिकारियों से यूक्रेन और गाजा में संघर्षों के साथ बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति का विश्लेषण करने का आह्वान किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने लखनऊ में संयुक्त कमांडरों के पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शांति बनाए रखने के वास्ते सशस्त्र बलों को जंग के लिए तैयार रहना होगा है। उकसावे की घटनाओं पर समन्वित, त्वरित और उचित कार्रवाई करने पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने चीन के साथ लगती भारतीय सीमा पर स्थिति और पड़ोसी देशों के घटनाक्रम का गहन विश्लेषण करने पर जोर दिया, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती बन रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि इसके लिए हमारे पास एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा होना चाहिए। उन्होंने कमांडरों से सशस्त्र बलों के शस्त्रागार में पारंपरिक और आधुनिक युद्ध उपकरणों के सही मिश्रण की पहचान करने और उसमें शामिल करने का भी आह्वान किया। उन्होंने अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में क्षमता विकास पर जोर दिया और इन्हें आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए अभिन्न अंग बताया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक क्षेत्र में उभरते सुरक्षा हालात पर सिंह ने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय राष्ट्र है। शांति बनी रहे इसके लिए सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता

के बावजूद, भारत अपेक्षाकृत शांत माहौल में शांतिपूर्ण तरीके से विकास कर रहा है। हालांकि, चुनौतियों की बढ़ती संख्या के कारण हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें भविष्य पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके लिए हमारे पास एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा का घटक होना चाहिए। हमारे पास अचूक प्रतिरोधक क्षमता होनी चाहिए। दो दिवसीय सम्मेलन में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने भी शामिल हुए। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने सैन्य नेतृत्व से डाटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के उपयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। इस सम्मेलन में देश के शीर्ष-स्तरीय सैन्य नेतृत्व ने हिस्सा लिया, जिन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में राष्ट्र के समक्ष वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

मणिपुर में पूर्व मुख्यमंत्री के घर पर रॉकेट से हमला, एक की मौत, 5 घायल, 2 इमारतें क्षतिग्रस्त हुई

इंफाल । मणिपुर के बिष्णुपुर में पूर्व मुख्यमंत्री के घर पर रॉकेट से हमला हुआ है। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई और 5 अन्य लोग घायल हो गए हैं। सुरक्षा बल हमलावरों की तलाश में लगे हैं। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच विष्णुपुर जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने पूर्व सीएम मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर रॉकेट बम से अटैक किया। इस हमले में 1 बुजुर्ग व्यक्ति की मौत और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आज सुबह मोइरंग इलाकेसे 4 किलोमीटर दूर ट्रोंगलाओबी में रॉकेट बम से हमला हुआ। इसमें 2 इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थी। ऐसी आशंका है कि कुकी उग्रवादियों को म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है। उग्रवादियों ने रॉकेट के अलावा बम का भी इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार पहले कभी मोइरांग में बंदूक और बम से हमले नहीं हुए थे। इन रॉकेट्स की मारक क्षमता 3 किलोमीटर से अधिक थी। हालांकि, बम विस्फोट में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन एक स्थानीय सामुदायिक हॉल और एक खाली कमरा डैमेज हो गया। मणिपुर में हाल के हमलों ने सुरक्षा की गंभीर चुनौतियों को उजागर किया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

अमित शाह से कांग्रेस का सवाल, जम्मू-कश्मीर को कब मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को अमित शाह के जम्मू-कश्मीर दौरे को लेकर सवाल उठाए। शाह को स्वयंभू चाणक्य बताते हुए रमेश ने 2018 में पीडीपी-भाजपा सरकार के पतन के बाद से क्षेत्र को संभालने के गृह मंत्री की आलोचना की। उन्होंने शासन पर शाह के रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि तब से जम्मू-कश्मीर को बड़े पैमाने पर गृह मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया गया है। जयराम रमेश ने अमित शाह से चार सवाल भी पूछे हैं।

एक्स पर जयराम रमेश ने लिखा कि स्वयंभू चाणक्य आज जम्मू-कश्मीर में हैं। 2018 में पीडीपी-भाजपा सरकार के पतन के बाद से, जम्मू और कश्मीर को मुख्य रूप से गृह मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया गया है। चार प्रश्न जिनका उत्तर स्वघोषित चाणक्य को अपने शासन के बारे में देना चाहिए। पहले सवाल में उन्होंने पूछा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब वापस मिलेगा? दूसरी कि आपके रहते जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति क्यों खराब हो गई है? तीसरा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक कार्यकारिणी की शक्तियों का उल्लंघन करने का प्रयास क्यों कर रही है? और चौथा कि 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर की आर्थिक स्थिति में गिरावट क्यों आई है?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणा-पत्र जारी किया और कहा कि अनुच्छेद 370 अब ''इतिहास'' बन गया है और केंद्र शासित प्रदेश में इसकी कभी वापसी नहीं होगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले 10 साल की अवधि देश और जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी और उन्होंने लोगों से सुशासन जारी रखने के लिए उनकी पार्टी को वोट देने का आग्रह किया। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए तीन चरणों 18 और 25 सितंबर तथा एक अक्टूबर को मतदान होगा।

3 साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में आरोपी के खिलाफ ने 9 दिन में 470 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

वलसाड (एजेंसी)। जिले के उमरगाम में गत 27 अगस्त को 3 साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना में वलसाड जिला पुलिस ने ऐतिहासिक कार्रवाई करते हुए महज 9 दिन में आरोपी गुलाम मुस्तफा के खिलाफ कोर्ट में 470 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी। वलसाड जिला पुलिस ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए हैं कि आरोपी गुलाम मुस्तफा को मौत की सजा दी जाए और मामला अदालत में दैनिक आधार पर चले। बता दें कि 27 अगस्त 2024 को उमरगाम के बाहरी इलाके में एक प्रवासी परिवार की तीन साल की बच्ची के साथ बलात्कार किया गया था। लड़की के परिवार के एक परिचित और पड़ोसी, गुलाम मुस्तफा नामक विधर्मी ने लड़की के साथ बलात्कार किया और घटना के बाद फरार हो गया। वलसाड पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी गुलाम मुस्तफा को अपने मूल राज्य झारखंड भागने से पहले महज एक घंटे में महाराष्ट्र के पालघर के पास निकट ट्रेन में दबोच लिया। घटना के अगले दिन उमरगाम में इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया और वे अपना गुस्सा निकालने के लिए सड़क पर उतर आये। वलसाड जिला पुलिस प्रमुख करणराज वाघेला ने जनता को मामले की युद्धस्तर पर जांच करने और आरोपियों के खिलाफ महज 15 दिन में कोर्ट में चार्ज शीट दाखिल करने का आश्वासन दिया। हालांकि जांच के लिए बनाई गई वलसाड जिला पुलिस के आला अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की विशेष जांच टीम ने इस मामले की जांच महज 9 दिनों में पूरी कर ली है और आरोपी गुलाम मुस्तफा के खिलाफ 470 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। पुलिस ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि मामले की सुनवाई प्रतिदिन अदालत में की जाए और आरोपी गुलाम मुस्तफा को मौत की सजा जैसी अनुकरणीय सजा दी जाए। साथ ही इस मामले में POCSO कोर्ट ने पीड़ित बच्ची के परिवार को सरकारी योजना के तहत 25प्र. रकम यानी ?2,65,000 पांच दिन के अंदर देने का आदेश दिया।

अब भांग की खेती होगी वैध, हिमाचल सरकार ने विधानसभा में पास किया प्रस्ताव

शिमला (एजेंसी)। विधानसभा समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों के बाद, हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने शुक्रवार को भांग की खेती को वैध बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। समिति ने राज्य के लिए आर्थिक संपत्ति के रूप में इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए औषधीय और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए भांग की खेती का प्रस्ताव रखा। राजस्व मंत्री और विधानसभा समिति के अध्यक्ष जगत सिंह नेगी ने रिपोर्ट और भांग की खेती के संभावित लाभों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यह विचार शुरू में नियम 130 के तहत विधानसभा में उठाया गया था, जिसमें सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों का समर्थन था। इस विषय का पता लगाने के लिए एक समिति का गठन किया गया और नेगी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

नेगी ने कहा कि समिति ने हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों का दौरा किया और स्थानीय निवासियों से परामर्श किया कि भांग की खेती का उपयोग औषधीय और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए कैसे किया जा सकता है। हमने जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में सफल मॉडलों का भी अध्ययन किया। भारी आम सहमति हिमाचल प्रदेश में इसे वैध बनाने के पक्ष में थी। नेगी ने भांग की खेती की व्यावहारिकता पर जोर देते हुए बताया कि इस पौधे को अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है, यह पशु क्षति के प्रति प्रतिरोधी है और काफी हद तक बीमारियों से मुक्त है। नेगी ने कहा, ÷इसमें औद्योगिक और औषधीय दोनों तरह के उपयोग की काफी संभावनाएं हैं। औद्योगिक भांग का पौधा दवा-मुक्त होगा, जिसमें टीएचसी का स्तर नगण्य होगा, जबकि औषधीय किस्म को एनडीपीएस अधिनियम के तहत अफीम की खेती के समान सख्ती से नियंत्रित किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि औद्योगिक भांग की खेती के लिए व्यापक भूमि की आवश्यकता नहीं होगी, खासकर उन क्षेत्रों में जहां पानी की कमी या जानवरों के हस्तक्षेप के कारण पारंपरिक फसलें संभव नहीं हैं।

कर्नाटक की पूर्व भाजपा सरकार पर घोटाले का आरोप, कांग्रेस का दावा

- कोविड महामारी के दौरान 1,000 करोड़ की हेराफेरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार पर कोविड फंड में करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है। कांग्रेस का दावा है कि कोविड के दौरान राज्य को कुल 13 हजार करोड़ रुपए का फंड मिला था। इसमें लगभग 1000 करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई। तब बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार थी। कांग्रेस ने कोविड-19 मैनेजमेंट पर जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा कमीशन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के हवाले से घोटाले का दावा किया है।

कर्नाटक सरकार में कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने

बताया कि रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड फंड से जुड़ी कई फाइलें गायब हैं, जिन्हें बार-बार कहने के बावजूद उनके सामने नहीं रखा गया। कर्नाटक में पिछले साल मई में कांग्रेस की सरकार बनी थी। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर कोविड फंड में घोटाले की जांच कराने का वादा किया था। पार्टी की जीत के बाद सिद्धारमैया सीएम बने और उन्होंने अगस्त, 2023 में घोटाले की न्यायिक जांच का आदेश दिए थे। सीएम ने जांच अधिकारियों को कोविड महामारी के दौरान दवाओं, उपकरणों की खरीद और ऑक्सीजन आपूर्ति में अनियमितताओं की जांच का काम सौंपा गया था।

विधानसभा में पेश होगी रिपोर्ट

सूत्रों के मुताबिक, 1000 पेज की रिपोर्ट को अभी पांच से छह हिस्सों में पेश किया गया है। अगले छह महीनों के भीतर इसके पूरे होने की उम्मीद है। इसे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान भी पेश किया जा सकता है। मंत्री पाटिल ने बताया कि सिद्धारमैया सरकार ने कमेटी का कार्यकाल छह महीने बढ़ा दिया है, ताकि वह अंतिम रिपोर्ट पेश कर सके। इसके अलावा अधिकारियों की एक टीम को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी गई है, जो एक महीने के भीतर इसका विश्लेषण करके सरकार को सौंपेगी। इस टीम में चीफ सेक्रेटरी शालिनी रजनीश, चीफ सेक्रेटरी एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और कुछ अन्य अधिकारी शामिल हैं।

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी को जमानत... ऐसी क्या कमजोरी रखी गई पैरवी में

- भजनलाल सरकार का बयान, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया जाता था इसलिए जिहादियों और आतंकवादियों के मामलों की पैरवी में संभवतः जानबूझकर कमी रखी जाती थी। इसी कड़ी में खबर आई है कि उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड के एक आरोपी मोहम्मद जावेद को उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी। दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड का वीडियो पूरे देश ने देखा था। हत्यारों ने अलग से जो वीडियो बनाकर सर तन से जुदा करने की धमकी दी थी वह भी लोगों को याद है। तमाम सबूत सोशल मीडिया पर ही उपलब्ध हैं, इसके बाद सवाल उठता है कि मुकदमे की पैरवी में ऐसी क्या कमजोरी रखी गई कि हत्या के आरोपी को जमानत मिल गई ?

गौर करने वाली बात यहां है कि जैसे ही अदालत से जमानत मिली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बयान आ गया कि भाजपा ने चुनावी लाभ लेने के लिए इस घटना का राजनीतिक इस्तेमाल किया। यहां सवाल गहलोत से है कि क्या वे वीडियो देखने के बावजूद इसे मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि कन्हैयालाल की हत्या उन्हीं हत्यारों ने की थी?

बात दें कि जून 2022 में उदयपुर के व्यस्त हाथीपोल इलाके में दर्जी कन्हैयालाल की उनकी दुकान पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी। कन्हैयालाल पर दो लोगों ने चाकू से हमला किया था। आरोपी इस बात से नाराज बताए जा रहे थे कि कन्हैयालाल ने सोशल मीडिया पर इस्लाम के खिलाफ एक पोस्ट का कथित तौर पर समर्थन किया था। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था।

मामले की जांच एनआईए कर रही है। जयपुर में एनआईए अदालत में 11 आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए गए जिनमें धारा 302 (हत्या), धारा 452 (अनधिकृत प्रवेश), धारा 153-ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), धारा 295-ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करना है), धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम शामिल हैं। इस जघन्य हत्याकांड में एनआईए अदालत द्वारा जमानत देने से इंकार करने के बाद आरोपी ने जमानत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

आरोपी ने अपने वकील सैयद सआदत अली के जरिए दलील दी कि फोन कॉल डिटेल के आधार पर गिरफ्तार किया गया था, जबकि साजिश रचने में

शामिल अन्य आरोपियों के साथ उसकी लोकेशन का पता नहीं लगा सका। अली ने कहा कि घटना से पहले अन्य मुख्य आरोपी एक चाय के ढाबे (टी-स्टॉल) पर एकत्र हुए थे लेकिन याचिकाकर्ता की लोकेशन वहां की नहीं थी। उससे कोई बरामदगी नहीं हुई है और मामले में उसका अपराध अभी साबित होना बाकी है। बचाव पक्ष के वकील की दलीलों पर विचार कर न्यायमूर्ति पंकज भंडारी की अध्यक्षता वाली पीठ ने आरोपी को जमानत दे दी, क्योंकि याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी उसके और मामले के अन्य मुख्य आरोपियों के खुलासे के बयान पर आधारित थी। बहरहाल, राजस्थान सरकार ने कहा है कि वे कन्हैयालाल के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि सरकार मामले को देखेगी। वहीं दूसरी ओर कन्हैयालाल के बेटे ने आरोपी को जमानत मिलने पर दुख जताया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्युषण पर्व : संयम विहार में छठे दिन जप दिवस पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल व मंत्रीगण पहुंचे

क्रांति समय | सूरत, डायमंड सिटी सूरत के भगवान महावीर यूनिवर्सिटी परिसर में बने भव्य संयम विहार परिसर में चतुर्मास कर रहे जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, युगप्रधान, मानवता के मसीहा आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल दर्शनार्थ पहुंचे. मुख्यमंत्री के साथ गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी तथा प्रदेश के मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया भी उपस्थित थे. सभी महानुभाव प्रेक्षा भवन में स्थित आचार्यश्री के प्रवास कक्ष में पधारे और आचार्यश्री को विधिवत वंदन कर पावन आशीर्वाद प्राप्त किया. आचार्यश्री से आशीष प्राप्त करने के उपरान्त आचार्यश्री के साथ उनका अल्पकालिक वार्तालाप का भी क्रम रहा. आचार्यश्री के दर्शन और आशीर्वाद का लाभ प्राप्त कर मुख्यमंत्री अगले गंतव्य की ओर रवाना हुए.

पर्युषण पर्वाधिराज धीरे-धीरे अपने शिखर दिवस की ओर पहुंच रहा है. शुक्रवार को इस महापर्व का छठा दिन रहा. जिसे जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में जप दिवस के रूप में मनाया गया. प्रातःकालीन के मुख्य प्रवचन कार्यक्रम का शुभारम्भ युगप्रधान आचार्यश्री के मंगल महामंत्रोच्चार के साथ हुआ. साध्वी मार्दवयशाजी, साध्वी चैतन्ययशाजी व साध्वी कमनीयप्रभाजी ने जप दिवस के संदर्भ में गीत का संगान किया.

साध्वीप्रमुखा साध्वी विश्रुतविभाजी ने जनता को जप दिवस पर जप और मंत्र आदि से संदर्भित प्रेरणा प्रदान की. मुनि नम्रकुमारजी व मुनि विनम्रकुमारजी ने तीर्थंकर अरिष्टनेमि के जीवनवृत्त का वर्णन किया. दस धर्मों में तप और त्याग धर्म पर साध्वीवर्या साध्वी सम्बुद्धयशाजी ने गीत का संगान किया तथा मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी ने तप और त्याग धर्म पर अपनी विचाराभिव्यक्ति दी.

शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी ने पर्युषण पर्वाधिराज के छठे दिन 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' के वर्णन क्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि परम आराध्य भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा का प्रसंग चल रहा है. चौथे भव में पांचवें देवलोक का जीवन सम्पन्न कर भगवान महावीर की आत्मा ने मनुष्य के रूप में कौशिक नाम के ब्राह्मण बने. जीवन जीते-जीते जीवन के अंत में तापस बन गए. वे साधना में लग गए। जीवन के सान्ध्यकाल में कुछ विशेष साधना हो सके तो बहुत अच्छी बात हो सकती है। वे अगले भव में पुष्यमित्र के नाम से उत्पन्न बनते हैं. गृहस्थ अवस्था में कुछ समय रहने के उपरान्त वे परिव्राजक बन गए. वह आयुष्य सम्पन्न कर वे पुनः अग्निद्योत नामक ब्राह्मण बनते हैं. अपने नवमें भव में दूसरे देवलोक में देव बने. अनेक भवों के आयुष्य को पूर्ण करते और एक-एक देवलोक में पहुंचते और वहां का आयुष्य पूर्ण कर पुनः मनुष्य के भव में आते. इस प्रकार अपने अठारहवें भव में वे पुनः मनुष्य के रूप में पोतनपुर नामक नगरी के राजा प्रजापति के पत्नी भद्रा के गर्भ से अचल और दूसरी रानी मृगावती के पुत्र त्रिपृष्ठ के रूप में उत्पन्न हुए. आयुष्य बढ़ने के साथ विद्याओं में निपुण हुए. राजतंत्र में राजा सेवा के लिए होता है तो लोकतंत्र में राजनेता सेवा के लिए होते हैं. सत्ता का घमण्ड नहीं करना चाहिए. सत्ता सेवा के लिए है, उसके अनुरूप जनता की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. त्रिपृष्ठ ने प्रति वासुदेव का वध कर वासुदेव बनता है और बहुत बड़े राज्य का शासक बन जाता है.

शासन के दौरान वैसा कर्म करने के उपरान्त त्रिपृष्ठ की आत्मा सातवें नरक लोक में उत्कृष्ट आयुष्य प्राप्त कर सातवें नरक में उत्पन्न होते हैं. अगले जन्म में शेर बनते हैं. शेर योनि के बाद पुनः नरक में जाते हैं. इस प्रकार जन्म-मरण करते हुए 23 भव में पुनः मनुष्य बनते हैं. नन्दन के रूप में राजा बनने के बाद लाखों वर्ष तक गृहस्थ रहने के बाद नन्दन राजर्षि बन गया. विशिष्ट तपस्या कर तीर्थंकर नाम गोत्र का उपार्जन कर लिया. उसके बाद भगवान महावीर की आत्मा दसवें देवलोक में विराजमान होती है.

भगवान महावीर की यात्रा के उपरान्त आचार्यश्री जप दिवस पर उपस्थित जनता को पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि पर्युषण पर्वाधिराज के दिवस व्यवस्था के अंतर्गत आज जप दिवस है. यह साधना का बड़ा आसान प्रयोग है. कोई ऐसा अक्षर नहीं है, जो मंत्र नहीं बन सकता. कोई ऐसी वनस्पति नहीं जो औषधि न हो और कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसमें कोई अर्हता नहीं होती. जप तो जन्म-मरण का नाश करने वाला हो सकता है. जप का प्रयोग भाव शुद्धि का अच्छा साधन बन सकता है. इसके बाद भी आदमी को जितना जहां संभव हो, अपने कार्य के प्रति भी जागरूक रहने का प्रयास करना चाहिए. आदमी अपने कर्तृत्व्य के प्रति सजग व जागरूक रहने का प्रयास करना चाहिए. आचार्यश्री ने जप दिवस के संदर्भ में चतुर्विध धर्मसंघ को थोड़ी देर जप का प्रयोग भी कराया.

अंत में नित्य की भांति अनेकानेक तपस्वियों ने अपनी-अपनी तपस्या का प्रत्याख्यान किया. अखण्ड जप में संभागी बने सदस्यों ने आचार्यश्री के समक्ष गीत को प्रस्तुति दी.

हेरिटेज थीम पर होगा अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव 2024

क्रांति समय | सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेनजी की 5148वीं जयंती बड़े धूम-धाम से मनाई जाएगी. ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया कि जयंती महोत्सव की शुरुआत 19 सितम्बर, गुरुवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगी एवं जयंती महोत्सव की विधिवत शुरुआत होगी. 3 अक्टूबर, गुरुवार को महाराजा अग्रसेनजी की जयंती मनाई जाएगी एवं महोत्सव का समापन 6 अक्टूबर, रविवार को होगा.

अग्रवाल विकास ट्रस्ट के सचिव अनिल अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल ने बताया कि ट्रस्ट जयन्ती महोत्सव के माध्यम से अपनी संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, मनोरंजन, खेल कूद इत्यादि के प्रति जागरुकता को सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तरोत्तर अग्रसर होते हुए, इस वर्ष भी अनेक प्रकार के सांस्कृतिक, सामाजिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएँ, अग्र फैशन आइकॉन अवॉर्ड्स, खेलेंगे जीतेंगे, रंगारंग रंगोली, तुलसी पॉट डेकोरेशन, फ़ैमिली फ्यूज़न, हाउसी अग्र महल की, बेस्ट मैनेजर, घुमर गरबा नाईट, ड्रामा सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन अग्रवाल विकास ट्रस्ट की युवा शाखा एवं महिला शाखा द्धारा किया जायेगा. ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष शशि भूषण जैन ने बताया की जयंती महोत्सव में इस बार युवा एवं महिलाओं के लिए नये-नये अनेकों कार्यक्रम होंगे. आयोजन में भाग लेने के लिए ऑन-लाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा की गयी है, प्रतिभागी अग्रसेन भवन के अलावा ऑन-लाइन भी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है.

>> समितियों का हुआ गठन :- अग्रवाल विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कपीश खाटूवाला ने बताया कि महोत्सव के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन हेतु ट्रस्ट द्धारा आयोजन समिति, कार्यक्रम व्यवस्था समिति, भोजन व्यवस्था समिति, प्रचार, स्वागत समिति समेत अनेकों समितियों का गठन किया गया है. इसके अलावा प्रत्येक कार्यक्रम के लिए संयोजक एवं कॉर्डिनेटर भी बनाये गये हैं. जयंती महोत्सव की विभिन्न व्यवस्थाओं में ट्रस्ट की युवा एवं महिला शाखा के दौ सौ से ज्यादा सदस्य सहयोगी बनेंगें.

>> मीटिंग में बांटी जवाबदारी :- ट्रस्ट द्वारा कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों के लिए गुरुवार को कल्चर कमिटी की देख-रेख में एक संयुक्त मीटिंग का आयोजन अग्रसेन भवन वृंदावन हॉल में किया गया. जिसमें कार्यक्रमों की रूप-रेखा तय की गयी एवं सभी को जवाबदारी दी गयी. मीटिंग में कार्यक्रमों के बारे में भी सभी को बताया गया. मीटिंग में जयंती पुस्तक का भी विमोचन किया गया. इस मौके पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष संजय सरावगी, राहुल अग्रवाल, कल्चर कमिटी के अर्जुनदास अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, कपीश खाटूवाला, नीरज अग्रवाल, युवा शाखा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्ष सोनिया गोयल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें.

शासन का नेतृत्व करने के लिए गंभीरता और सहनशीलता जरूरी : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय | सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. की निश्रा में शुक्रवार 6 सितंबर को पर्वाधिराज पर्युषण के सातवें दिन तपस्वी सामूहिक पच्चखान हुआ. तपश्चर्या करनेवालों को धन्यवाद, तपस्वी अमर रहो के घोष से पूरा पंडाल गूंज उठा. बाहर से करीबन 300 आराधक आए हुए है. इस अवसर पर प्रवचन करते हुए कहा कि जैसे पूरा गांव तपश्चर्या की रणभूमि में उतर पड़ा है. और कर्म से युद्ध कर रहा है. सामूहिक पच्चखान की अपनी एक महिमा है. सामूहिक पच्चखाण लेना और सामूहिक पच्चखाण लेते हुए को देखकर अनुमोदना करना. तपस्वियों के दर्शन करके ही जीवन धन्य हो जाता है. उन्होंने कहा कि श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल के चतुर्मास का इतिहास सोने की स्याही से लिखा जाएगा. सदा सदा स्मरण में रहेगा. आदिनाथ के जीवन से समझना है कि कभी भी किसी गलत सलाह नहीं देनी है. शासन का नेतृत्व सौंपने के लिए दो गुण जरूरी होते है. एक गंभीरता होनी चाहिए और दूसरा सहनशील हो. कोई शासन अनुशासन के बिना नहीं चल सकता है. संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडोवरा और युवा परिषद के अध्यक्ष मनोज देसाई ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 51 उपवास सपनादेवी सुरेशकुमार देसाई ने किए. 36 उपवास नीलमदेवी नरेश मंडोवरा, राकेशकुमार मंडोवरा. करीबन 550 लोगों ने सामूहिक पच्चखान लिया. वरघोडा का चढ़ावा चढ़ाया गया. 10 सितंबर को वरघोडा निकाला जाएगा. डेढ़ से दो किमी की लंबी वरघोड़ा यात्रा में दो हाथी, पांच घोड़े, 51 बग्गियां सहित अन्य का आकर्षण रहेंगे.

दशहरा, दिवाली और छठ के त्योहारों के दौरान उधना और पुरी के बीच विशेष किराए पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी

क्रांति समय | सूरत, यात्रियों की सुविधा के लिए, अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए और दशहरा, दिवाली और छठ के त्योहारों के दौरान यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए, पश्चिम रेलवे ने उधना और पुरी के बीच विशेष किराए पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार है-

ट्रेन नंबर 08472/08471 उधना-पुरी (साप्ताहिक) फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन (22 ट्रिप्स)

ट्रेन नंबर 08472 उधना - पुरी साप्ताहिक स्पेशल हर मंगलवार को उधना से 17.00 बजे रवाना होगी और अगले दिन 22.45 बजे पुरी पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर, 2024 से 26 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन नंबर 08 471 पुरी-उधना साप्ताहिक स्पेशल हर सोमवार को पुरी से 06.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 14.00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 16 सितंबर, 2024 से 25 नवंबर, 2024 तक चलेगी। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन चलथाण, व्यारा, नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुडा रोड, संबलपुर सिटी, रायराखोल, अंगुल, तालचेर रोड, ढेंकनाल, भुवनेश्वर और खुर्दा रोड स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे। ट्रेन नंबर 08472 की बुकिंग 08.09.2024 से सभी PRS काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू हो जाएगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

सूरत में 19 वर्षीय युवक की रहस्यमयी आत्महत्या, कारण अज्ञात

क्रांति समय | सूरत, सूरत के रांदेर इलाके में एक 19 वर्षीय युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने से हड़कंप मच गया है. युवक ने घर का दरवाज़ा बंद कर अपना जीवन समाप्त कर लिया. हालांकि, युवक की मौत को लेकर रहस्य बना हुआ है. फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामला दर्ज किया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.

सूरत के रांदेर इलाके में स्थित भुवनेश्वरी सोसाइटी में मकान नंबर-20 में कृष्णा राकेशभाई राठौड़ अपने परिवार के साथ रहते है. कल शाम करीब 7:00 बजे जब कृष्णा काम से घर लौटे, तो परिवारजनों ने बताया कि उनका छोटा भाई शनि दरवाजा नहीं खोल रहा है. इस पर कृष्णा ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन दरवाजा न खुलने पर उन्होंने अपने दोस्तों को बुलाया और दरवाजा तोड़ा. इस दौरान 19 वर्षीय शनि राकेशभाई राठौड़ ने आत्महत्या कर ली थी.

यह उल्लेखनीय है कि मृतक 19 वर्षीय शनि राकेश राठौड़ चॉकलेट डिलीवरी का काम करता था. कल शाम उसने अचानक यह कदम उठाया. शनि के परिजनों ने बताया कि दोपहर तक वह सभी से बात कर रहा था. दोस्तों के साथ समय बिताकर घर आया और अचानक यह कदम उठा लिया. उसने किस कारण यह कदम उठाया, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है.